RNI. MPHIN/2016/68439

दैनिक
भेल पॉवर

वर्ष- 10 | अंक-83 | भोपाल, गुरूवार 21 अगस्त 2025 | पेज-8 | आमंत्रण मूल्य -1 रुपए | राजधानी भोपाल से प्रसारित

“और एक दिन ऐसा आएगा जब उन सभी चीजों का कोई निशान नहीं रहेगा जिसने मेरे जीवन को उलझाया और मुझे दुखी किया।”
हरमन हेस

पेज 4

न्यूज. ब्रीफ

चंडीगढ़ हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ। चंडीगढ़ के सेक्टर-1 स्थित पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद पुलिस तुरंत अलर्ट हो गई और हाईकोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस, बम स्क्वायड और ऑपरेशन सेल की टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर में सर्च ऑपरेशन चलाया। अब तक कुछ संदिग्ध सामान नहीं मिला है, लेकिन पुलिस हर जगह तलाशी ले रही है। बताया जा रहा है कि यह धमकी भरा ईमेल हाईकोर्ट रजिस्ट्रार को मिला है। इससे पहले भी इसी तरह की धमकी मिल चुकी थी, लेकिन तब भी कुछ नहीं मिला था। फिलहाल, हाईकोर्ट आने-जाने वाले लोगों की सख्त जांच की जा रही है और सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है।

5 करोड़ रुपए की नशीली दवा जब्त

श्रीभूमि। असम के श्रीभूमि जिले में बुधवार को 5 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की बैन नशीली याबा टैबलेट्स जब्त की गई। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम से सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने एक्स पर बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद पुवामारा बायपास पर एंटी-नारकोटिक्स अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने 29,400 याबा टैबलेट्स बरामद कीं और दो ड्रग सप्लायर्स को पकड़ा। मुख्यमंत्री ने बताया कि आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। याबा टैबलेट्स, जिसे थाई में क्रेजी मेडिसिन कहा जाता है, भारत में अवैध है क्योंकि इसमें मेथामफेटामाइन और कैफीन शामिल हैं।

मनु भाकर का नाम पद्मश्री के लिए भेजा

नई दिल्ली। स्टार शूटर मनु भाकर का नाम पद्मश्री के लिए रिकमेंड किया गया है। 23 साल की इस निशानेबाज ने 4 दिन पहले देश के चौथा सबसे बड़े अवॉर्ड के लिए आवेदन किया। पिछले साल यह अवॉर्ड दिग्गज स्पिनर आर अश्विन और पूर्व हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को मिला था। मनु को इसी साल 17 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेल रत्न से नवाजा था। मनु भाकर ने पिछले साल अगस्त-सितंबर में पेरिस ओलिंपिक गेम्स में डबल ओलिंपिक मेडल जीते थे। वे 10 मीटर एयर पिस्टल इंडीविजुअल और मिक्स्ड डबल्स में तीसरे स्थान पर रहीं। उनके दो मेडल के दम पर भारत ने पेरिस ओलिंपिक में कुल 6 मेडल जीते थे।

पिकअप की टक्कर से 5 की मौत

झज्जर। हरियाणा के झज्जर में बुधवार तडके भीषण सडक हादसा हो गया। सुबह करीब 3 बजे केएमपी (कुंडली-मानेसर-पलवल) कटरा एक्सप्रेसवे फ्लाईओवर पर कैंटर और पिकअप की जोरदार टक्कर हो गई। आसोदा थाने के एसएचओ के मुताबिक हादसे में महिला समेत 5 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यूपी के रहने वाले चार मृतकों की पहचान हो गई है। जबकि एक की शिनाख्त के लिए पुलिस प्रयास में जुटी है। पिकअप में सवार सभी यात्री उत्तर प्रदेश के सीतापुर, लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं। वे महेंद्रगढ़ में ही काम करते थे, फसल कटाई के लिए ये सारे अपने अपने परिवारों के साथ आ रहे थे।

राहुल गांधी और तेजस्वी पर गौरव वल्लभ का तंज, दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए

दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे

नई दिल्ली। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 2029 लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री बनाने के ऐलान पर तंज कस दिया है। बीजेपी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी और तेजस्वी पर निशाना साधकर कहा कि दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे हैं। असल में दोनों के फ्यूज उड़े हुए हैं और बिना फ्यूज के मिसाइलें उड़ती नहीं हैं। बातें करने से कुछ भी हासिल नहीं होता है। भाजपा नेता ने दोनों नेताओं की योग्यता पर सवाल उठाकर वंशवाद को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। बता दें कि राहुल गांधी बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं।

सीएम रेखा गुप्ता पर हमला: प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बोले- थप्पड़ मारे जाने की अटकलें गलत

नई दिल्ली। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को थप्पड़ मारने के मामले एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि दस्तावेज सौंपने के बाद शख्स ने अचानक मुख्यमंत्री पर हमला कर दिया। आरोपी पुलिस की हिरासत में है और उससे पूछताछ चल रही है और घटना की जांच की जा रही है। इस मामले में दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आरोपी ने मुख्यमंत्री का हाथ पकड़कर खींचने की कोशिश की, जिससे धक्का-मुक्की

हुई और उनका सिर टेबल के कोने से टकरा गया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने गुप्ता की स्थिति स्थिर बताई है, हालांकि वह सदमे में हैं। सचदेवा ने यह भी स्पष्ट किया कि पत्थर फेंके जाने या थप्पड़ मारे जाने की अटकलें पूरी तरह गलत हैं। उन्होंने रेखा गुप्ता को मजबूत महिला बताते हुए कहा कि वह

डॉग लवर है आरोपी राजेश

आरोपी गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। उसकी उम्र 41 साल है। वह बहुत बड़ा पशु प्रेमी और डॉग लवर है। उसकी मां का कहना है कि बेघर कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से दुखी होकर वह दिल्ली गया था। पड़ोसियों को यह बात पता थी और वह उसके घर पर ही

पीएम, सीएम या मंत्री 30 दिन हिरासत में रहे तो जाएगी कुर्सी

संसद में विपक्ष के वोटर वेरिफिकेशन और वोट चोरी पर विरोध के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में पेश किए 3 बिल

लोकसभा में गिरफ्तार मंत्रियों को हटाने के बिल का जोरदार विरोध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार गंभीर आपराधिक केस में गिरफ्तार होने पर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को पद से हटाने का कानून बनाने जा रही है। इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में 3 बिल पेश किए। तीनों विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने तीनों बिलों को वापस लेने की मांग की। कांग्रेस और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने विरोध जताया। सपा ने बिलों को न्याय विरोधी, संविधान विरोधी बताया। इस पर शाह ने

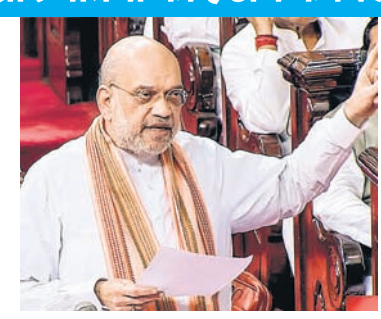

बिलों को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की मांग की। इन बिलों में प्रावधान हैं कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री ऐसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किए जाते हैं, जिनमें कम से कम 5 साल की जेल हो सकती है और उन्हें लगातार 30 दिन हिरासत में रखा जाता है तो 31वें दिन उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने 6 महीने और तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने 241 दिनों तक हिरासत और जेल में रहने के बाद अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था।

गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (संशोधन) बिल 2025

केंद्र सरकार के मुताबिक, अभी केंद्र शासित प्रदेशों में गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए, ऐसे मामलों में मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट, 1963 की धारा 45 में संशोधन की आवश्यकता है।

130वां संविधान संशोधन बिल 2025

केंद्र ने इस बिल को लेकर बताया कि संविधान में किसी ऐसे मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है जिसे गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार किया गया हो और हिरासत में लिया गया हो। इसलिए ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री और राज्यों या नेशनल कैपिटल टेरिटरी दिल्ली के मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239 में संशोधन की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल 2025

जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 में संशोधन के बाद गंभीर आपराधिक केस में गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन में हटाने का प्रावधान होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिला और विकासखंड अधिकारियों को किया सम्मानित

सम्पूर्णता अभियान से आकांक्षी जिलों और विकासखंडों के रहवासियों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आकांक्षी कृषि जिलों की अवधारणा कृषि विकास के लिए महत्वपूर्ण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और प्रतिबद्धता के परिणाम स्वरूप देश ने विकास की नई गति प्राप्त की है। पिछड़े जिलों? और विकासखंडों को आकांक्षी रूप में चिन्हित कर विकास के लिए समन्वित प्रयास करना, इस दिशा में उठाया गया प्रभावी कदम है। आज आयोजित सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह, जिला और विकासखंड स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आधारभूत संरचना और सुशासन में आए सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। इन जिलों और विकासखंडों के रहवासियों के जीवन और जीवन जीने की

परिस्थितियों में आया बदलाव अभियान की सफलता को अभिव्यक्त करता है। सम्पूर्णता अभियान से आकांक्षी जिलों और विकासखंडों में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण और उन्हें पोषक भोजन की उपलब्धता, बच्चों के टीकाकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, स्कूलों

में बिजली की उपलब्धता और समय पर पाठ्य पुस्तक वितरण जैसी गतिविधियों में सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को राज्य स्तरीय सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह के अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सम्पूर्णता कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन और समुदाय की सक्रिय भागीदारी

सम्पूर्णता अभियान ने शासन-प्रशासन की कार्य संस्कृति को दी नई दिशा : मुख्य सचिव श्री जैन

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि सम्पूर्णता अभियान ने शासन-प्रशासन की कार्य संस्कृति को नई दिशा दी है। डेटा आधारित मूल्यांकन और स्कोरिंग प्रणाली तथा प्राथमिकताओं की स्पष्टता व पारदर्शिता से प्रशासनिक दक्षता और जन सेवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इससे जिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी प्रोत्साहन मिला है। नीति आयोग के सदस्य श्री रमेश चंद्र ने कहा कि प्रदेश के समुख बड़ी चुनौती थी, परंतु प्रदेश के अधिकारियों के समर्पित प्रयासों से लक्षित संकेतों में सम्पूर्णता प्राप्त करना संभव हुआ है। श्री रमेश चंद्र ने स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े संकेतकों में मध्यप्रदेश में हुए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड कार्यक्रम में हुए बेहतर कार्य से कृषि क्षेत्र में न केवल उत्पादकता सुधरेगी अपितु उपज की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

कर्नाटक में भी आरक्षण के कोटे में कोटा होगा लागू

तीन भागों में बांटी एससी जातियां

बेंगलुरु। हरियाणा की तर्ज पर अब कर्नाटक में भी आरक्षण के कोटे में कोटा लागू होगा। कर्नाटक सरकार ने एससी के लिए आंतरिक आरक्षण लागू करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह फैसले लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए लिया गया है, खासकर एससी लेफ्ट (मदिगा) और एससी राइट (होलेया) समुदायों की मांगों को ध्यान में रखते हुए। नए फॉर्मूले के तहत 17 फीसदी आरक्षण में से छह फीसदी एससी लेफ्ट समुदाय, छह फीसदी एससी राइट समुदाय और पांच फीसदी लंबानी, भोवी, कोरचा, कोरमा जैसी अन्य उप-जातियों के लिए तय किया गया है। यह फैसला जस्टिस एच एन नागमोहन दास आयोग की सिफारिशों पर आधारित है।

ट्रंप के टैरिफ वार का भारत ने निकाला तोड़

दूसरे देशों को अपना निर्यात बढ़ा सकता

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता होगा संजीवनी साबित

नई दिल्ली। अमेरिका ने हाल ही में भारत से आने वाले सामानों पर टैरिफ बढ़ाया है, जिसका असर भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत इस चुनौती से निपटने के लिए दूसरे देशों को अपना निर्यात बढ़ा सकता है, खासकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) जैसे देशों के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीएफ) का लाभ मोदी सरकार उठ सकती है। क्या है मामला? अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर पहले से लगे 25 प्रतिशत टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का फैसला किया है। इससे भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात महंगा हो जाएगा, जिसका सीधा असर उन एमएसएमई पर पड़ेगा जो भारत के कुल निर्यात का 45 प्रतिशत हिस्सा हैं। अमेरिकी टैरिफ से कपड़ा, रत्न और आभूषण, समुद्री भोजन (सी-फूड) जैसे उद्योगों

पर सबसे ज्यादा असर पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि इनका भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 25 प्रतिशत हिस्सा इन वस्तुओं का है। वहीं रसायन उद्योग क्षेत्र में एमएसएमई की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है, इसलिए यह भी प्रभावित हो सकता है। पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य गुजरात के सूरत के एमएसएमई पर टैरिफ का बड़ा असर पड़ सकता है, क्योंकि भारत से हीरे के निर्यात में इनकी 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है। इस टैरिफ से सूरत के हीरा तरशाने वाले छोटे कारोबारियों पर बड़ा असर हो सकता है। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक मुताबिक बढ़े हुए टैरिफ से एमएसएमई के पहले से ही कम मार्जिन और भी घट जाएंगे, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता पर बुरा असर पड़ेगा। लेकिन एक रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत इस स्थिति से निपटने के लिए कई कदम उठा सकता है। ट्रंप के टैरिफ वार के असर को कम करने के लिए भारत दूसरे देशों में अपनी पहुंच बढ़ा सकता है, जिससे अमेरिका पर निर्भरता कम हो सके और एमएसएमई को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। हाल ही में हुए भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से एमएसएमई को बहुत फायदा मिल सकता है।

एमसीयू में 'अभ्युदय' सत्रारंभ कार्यक्रम संपन्न

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) के अकादमिक सत्र 2025-2026 के सत्रारंभ समारोह 'अभ्युदय' के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पैंतीस वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है और यहाँ के छात्रों ने राष्ट्रीय मीडिया में ऐतिहासिक योगदान दिया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्यमंत्री ने परिसर में दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 12 फीट ऊँची प्रतिमा का अनावरण भी किया। मुख्य वक्ता डॉ. कुमार विश्वास ने नवागत छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी विश्वसनीयता बनाए रखना है, क्योंकि समाज का छपे हुए

शब्दों पर आज भी भरोसा कायम है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में तटस्थता बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने छात्रों से अपने अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का आह्वान किया। उन्होंने घोषणा की कि विश्वविद्यालय जल्द ही एआई, डीप फेक और साइबर सिक्योरिटी जैसे नए विषयों पर पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इस कार्यक्रम के दौरान सॉफ्ट स्किल्स और तकनीक के बदलते स्वरूप पर विशेषज्ञों द्वारा सत्र भी आयोजित किए गए।

भारत की जीडीपी 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती

आरबीआई के अनुमान से बेहतर

मुंबई। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए के अनुमान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.5 प्रतिशत के अनुमान से बेहतर है। सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा समर्थक रहा है, जिसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़त का अनुमान है। यह पिछले साल की इसी तिमाही के 7.3 प्रतिशत से काफी ज्यादा है। कृषि और उद्योग क्षेत्रों में वृद्धि दर धीमी रही है। कृषि क्षेत्र की विकास दर 5.4 प्रतिशत से घटकर 4.5 प्रतिशत और औद्योगिक क्षेत्र की 6.5 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत बने रहने की संभावना है। केंद्र सरकार ने पूंजीगत खर्च में 52 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो 2.8 ट्रिलियन डालर तक पहुँच गया है। राज्यों ने भी इस मद में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस तिमाही में नई परियोजनाओं का कुल मूल्य दोगुना होकर 5.8 ट्रिलियन हो गया है, जो पिछले साल के 3 ट्रिलियन से बहुत ज्यादा है। यह दिखाता है कि देश में निवेश का माहौल बेहतर हो रहा है।

मुंबई में तीसरे दिन भी जारी है भारी बारिश का दौर

मुंबई। मुंबई में तेज बारिश का बुधवार को तीसरा दिन है। 24 घंटे में 300 एमएम बारिश हुई। लगातार तीसरे दिन मुंबई में स्कूल-कॉलेज और गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद है। मुंबई लोकल की 34 ट्रेनें (17 जोड़ी) कैंसिल हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट्स पर भी असर पड़ा है। मंगलवार शाम मुंबई में 2 मोनोरेल से करीब 800 लोगों को रेस्क्यू हुआ। मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास शाम 6 बजे एक मोनोरल एलिवेटेड ट्रैक पर अटक गई थी। इसमें मौजूद 582 यात्रियों को विंडो तोड़कर क्रेन की मदद से करीब 40-50 फीट की ऊंचाई से रेस्क्यू किया गया। इस घटना पर एमएमआरडी ने बताया कि भीड़ बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ था। रेल की मूल वजन क्षमता 104 टन है, जो मंगलवार को 109 टन हो गई थी। 5 टन ज्यादा वजन (यात्रियों का) हो गया था। वहीं, आचार्य अत्रे और वडाला मोनो रेल स्टेशन से भी 200 लोगों को निकाला गया था। मोनो रेल में सवार यात्री ने बताया कि बिजली और एसी बंद होने से डिब्बों में घुटन होने लगी थी। बाहर बारिश हो रही थी और अंधेरा बढ़ रहा था। सबसे डरावना पल तब था, जब ट्रेन खतरनाक ढंग से झुक गई थी, हम दुआ कर रहे थे कि जिंदा बाहर निकल जाएं। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनके अलावा तेलंगाना, बिहार में ऑरेंज अलर्ट और राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड सहित 18 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मुंबई सिटी के अलावा उपनगर ठाणे, चंद्रपुर, रायगढ़ और रत्नागिरी में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

इंडिया ब्लॉक ने बी सुदर्शन को उतारकर उपराष्ट्रपति चुनाव को दिलचस्प बना दिया

लोकसभा-राज्यसभा में कुल 782 सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में करेंगे मतदान

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव की घोषणा के बाद सियासी माहौल गरमा गया है। सत्ताधारी एनडीए ने तमिलनाडु के सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतारा है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी को संयुक्त उम्मीदवार बनाकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। विपक्ष ने इसे विचारधारा की लड़ाई बताया है और सुदर्शन रेड्डी को सामाजिक न्याय का चेहरा पेश करने की कवायद शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बी. सुदर्शन रेड्डी तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले से ताल्लुक रखते हैं और कभी किसी राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हुए हैं। यही वजह है कि कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी, एनसीपी और आम आदमी पार्टी समेत इंडिया ब्लॉक उनके साथ खड़ा है। 2022 में वोटिंग से दूरी बनाने वाली ममता बनर्जी की पार्टी भी इस बार पूरी मजबूती के

साथ विपक्षी उम्मीदवार के समर्थन में है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह चुनाव केवल उपराष्ट्रपति पद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संविधान बनाम आरएसएस की लड़ाई है। एनडीए के पास संख्याबल ज्यादा है, लेकिन विपक्ष ने जिस तरह गैर-राजनीतिक चेहरा उतारा है, उसने कई दलों को धर्मसंकट में डाल दिया है। आंध्र प्रदेश में सत्ता पर काबिज चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस के सामने मुश्किल खड़ी हो गई है, क्योंकि सुदर्शन रेड्डी का संबंध तेलुगू क्षेत्र से है। तेलंगाना की बीआरएस भी कशमकश में है। पार्टी ने सरकार का कई बार समर्थन किया है, लेकिन विपक्षी उम्मीदवार के स्थानीय होने से उस पर दबाव बढ़ा है। वहीं, बीजेडी ने अभी पत्ते नहीं खोले, लेकिन 2024 के बाद से बीजेपी से उसकी दूरी बढ़ गई है। लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर कुल 782 सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करेंगे। जीत के लिए 392 वोट चाहिए। फिलहाल एनडीए के पास करीब 418 सांसदों का समर्थन है, यानी जरुरी संख्या से 26 वोट ज्यादा। हालांकि, वाईएसआर कांग्रेस (7 सांसद), बीआरएस (4 सांसद), बीजेडी (12 सांसद) और कुछ निर्दलीय दलों की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। बता दें 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे, जबकि विपक्ष की मार्गरेट अल्वा को केवल 182 वोट ही मिले थे, लेकिन मौजूदा चुनाव में विपक्ष की स्थिति पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है और गैर-राजनीतिक चेहरे ने मुकाबले को और भी रोचक बना दिया है।

दैनिक भेल पॉवर

सिंन्धी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित राष्टीय चेतना जेआ सुर कार्यक्रम में हीरो हिन्दू फैन्स क्लब के अध्यक्ष हीरो हिन्दू शामिल हुए कार्यक्रम में निदेशक राजेश वाधवानी भी मौजूद रहे।इस दौरान विष्णु गेहानी,नानक दादलानी,प्रभुदास मूलचंदानी, माधव दादवानी,रवि लालवानी,बसंत चेलानी मौजूद थे।

प्राथमिकता से करें सुरभि गौशाला का निर्माण कार्य - संभागायुक्त श्री सिंह

समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने कहा है कि बरखेड़ी अब्दुल्ला में सुरभि गौशाला का निर्माण कार्य प्राथमिकता से पूरा करें। गौशाला के विभिन्न निर्माण कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से गुणवत्तायुक्त कार्य समय पर पूरा किया जाए। अंतर्विभागीय समन्वय से संबंधित कार्यों में कोई कठिनाई नहीं हो। आपसी समन्वय से कार्य पूर्ण किये जाएं। संभागायुक्त श्री सिंह कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में सुरभि गौशाला के निर्माण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा गौशाला का भूमि पूजन किया गया था। गौशाला का निर्माण कार्य

मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता वाले कार्यों में शामिल है। कार्य पूर्ण करने में किसी भी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी जाए। गौशाला के संचालन के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली जाएं। गायों के भोजन की व्यवस्था के लिए टेंडर एवं अन्य कार्यों की पहले से तैयारी कर ली जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने गौशाला के निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि प्रथम चरण में 14 करोड़ 48 लाख रुपए की राशि से गौशाला का निर्माण कार्य दिसंबर माह तक पूरा किया जाना है। गौशाला में कुल 10 हजार गायों को रखने की व्यवस्था की जाएगी, प्रथम चरण में 2 हजार गाय रखने के लिए 4 शेड तैयार होंगे। प्रत्येक शेड में 500 गाय रखी जायेंगी। प्रत्येक शेड के सामने ओपन स्पेस रहेगा। बीमार गायों के लिए दो शेड तैयार होंगे जिसमें एक आईसीयू एवं एक जनरल वार्ड होगा। इसके अतिरिक्त चारा शेड, एक बछड़ा शेड, पानी की टंकी और संपबेल बनाया जाएगा। गौशाला में ऑफिस और निवास भी बनाए जाएंगे। बैठक में संयुक्त आयुक्त (विकास) श्री विनोद यादव, स्वामी अच्युतानंद महाराज, एमपीईबी,पीएचई,नगर निगम , स्मार्ट सिटी, वेटनरी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर पूरी तरह पारदर्शी और सटीक, असंतुष्ट हैं तो चेक मीटर लगवाएं

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख 52 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिये गये हैं। स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान कंपनी द्वारा पुराने मीटरों को बदला जा रहा है और उपभोक्ता परिसरों में नये स्मार्ट मीटर स्थापित किये जा रहे हैं। इस दौरान जो उपभोक्ता असंतुष्ट हैं उनके परिसरों में चेक मीटर भी स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि दोनों मीटरों की खपत का मिलान किया जा सके। कंपनी ने कहा है कि अभी तक कंपनी कार्यक्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर कुल 07 हजार 39 चेक मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। हालांकि जहां-जहां भी चेक मीटर लगाए गए हैं, वहां पर रीडिंग में कोई अंतर नहीं पाया गया है। सभी उपभोक्ता स्मार्ट मीटर की रीडिंग से संतुष्ट हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि उपभोक्ताओं की मांग पर अभी तक भोपाल शहर में 3219, भोपाल ग्रामीण में 14, बैतूल में 22, नर्मदापुरम में 112, रायसेन में 70, राजगढ़ में 01, सीहोर में 1048, विदिशा में 857, अशोक नगर में 17, भिण्ड में 26, ग्वालियर शहर में 561, दतिया में 31, गुना में 844, ग्वालियर ग्रामीण में 96, हरदा में 43, मुरैना में 50, श्योपुर में 22 तथा शिवपुरी में 6 चेक मीटर लगाए गए हैं। अभी तक स्मार्ट मीटर तथा चेक मीटर की रीडिंग में शत- प्रतिशत समानता पाई गई है। कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर में बगैर किसी मानवीय हस्तक्षेप के स्वचलित तरीके से बिजली की खपत दर्ज होती है, जिसकी जानकारी उपभोक्ता किसी भी समय मोबाइल पर उपाय (वढंट) एप के माध्यम से प्राप्त कर सकता है। उपभोक्ताओं के परिसर पर मीटर लगाने के पहले विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 100 प्रतिशत स्मार्ट मीटरों की एन.ए.बी.एल लैब में टेस्टिंग करवाई जा रही है। कंपनी ने कहा है कि जहाँ भी चेक मीटर लगाये गये हैं वहाँ पर उपभोक्ताओं द्वारा स्मार्ट मीटर और चेक मीटर की रीडिंग में अंतर की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। फिर भी जिन उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की रीडिंग से शिकायत है वो स्मार्ट मीटर के साथ चेक मीटर लगवा सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने जोन अथवा वितरण केन्द्र में आवेदन करना होगा।

सीएमएचओ ने देखीं सिविल अस्पताल सुल्तानिया के निर्माण कार्यों की स्थिति - समय - सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल।सिविल अस्पताल सुल्तानिया के निर्माण कार्यों की प्रगति देखने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा द्वारा अस्पताल भवन का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सिविल इंजीनियर्स से अस्पताल में बनाई जा रही विभिन्न इकाइयों के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान मध्यप्रदेश बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के असिस्टेंट जनरल मैनेजर संजय श्रीवास्तव, प्रबंधक श्री अभिषेक तिवारी, उपयंत्री श्री हेमंत पटेरिया उपस्थित रहे। पुराने सुल्तानिया अस्पताल की जगह नवीन 300 बिस्तरीय सिविल अस्पताल बनाया जा रहा है। जनवरी 2024 से शुरू हुए इस कार्य की अनुमानित समय सीमा 30 महीने निर्धारित की गई है। यह भवन मध्यप्रदेश बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा तैयार किया जा रहा है। अस्पताल में ब्लॉक ए और ब्लॉक बी का कार्य फिनिशिंग स्टेज पर है, जबकि ब्लॉक सी में निर्माण कार्य शेष बचा है। 28194 स्क्वायर मीटर में तैयार किया जा रहे अस्पताल की कुल लागत 136.49 करोड रुपए है। अस्पताल में मॉड्यूलर ओटी, मेटरनिटी विंग, नियोनेटल आई सी यू, डायलिसिस यूनिट, ओपीडी, आईपीडी, ऑथोपेडिक एवं सर्जिकल वार्ड मेल, पीडियाट्रिक वार्ड, आइसोलेशन यूनिट,आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर , फिजियोथैरेपी, मोर्चरी इत्यादि बनाई जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि इस अस्पताल के बनने से पुराने भोपाल के निवासियों को इलाज की और बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। अस्पताल का निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगरपालिका अध्यक्ष ने किया वार्ड 33 का निरीक्षण, निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, मालवीयगंज की मुख्य रोड से अतिक्रमण हटवाया

दैनिक भेल पॉवर

इटारसी। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने आज दोपहर वार्ड क्रमांक 33 का दौरा किया। उनके साथ पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया भी मौजूद रहे। इस दौरान अध्यक्ष चौरे ने वार्ड में निमार्णाधीन पार्क का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड में बन रही नालियों का भी जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपने-अपने चबूतरों को स्वयं हटाएं या फिर नगरपालिका को हटाने दें, जिससे सड़क की चौड़ाई सुनिश्चित की जा सके और विकास कार्य बाधित न हों। इससे पूर्व आज सुबह नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने मालवीय गंज मुख्य मार्ग स्थित विश्वकर्मा मंदिर के सामने जलभराव की समस्या का समाधान किया। वे सुबह 8 बजे दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और नाली पर किए गए अतिक्रमण को हटवाकर जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त की। अध्यक्ष चौरे ने कहा कि नगर के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आमजन की सुविधा को प्राथमिकता दी जाएगी।

ब्लॉक कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व:राजीव गांधी जी की जयंती पर किया याद...

दैनिक भेल पॉवर

संत नगर भोपाल। आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व:राजीव गांधी जी की जयंती मनाई गई इस अवसर पर मुख्य रूप ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पार्षद अशोक मारण उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी प्रवक्ता महेश गुरबानी वरिष्ठ कांग्रेस नेता राज मनवानी रामभरोसे भगवानिया विशणु मारण सुरेश सिंगरोली प्रकाश विधानी जगदीश सांवले अशोक गोकलानी नरेंद्र केवलानी लक्ष्मदास वासवानी राजकुमार धानुक आत्माराम सूर्यवंशी राजू अहिरवार राजू जोशी बद्री प्रसाद पटेल रामचरण सिंह राजेश रधुवंशी सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं पार्षद अशोक मारण ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी संचार क्रांति के जनक थे उन्होंने अपने कार्यकाल में वोट देने का अधिकार 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किया था उनकी कुबार्नी को कभी भुलाया नहीं जा सकता यह पर उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामभरोसे भगवानिया ने कहा कि राजीव जी की सोच देश को 19 वीं सदी से 21 वीं सदी की और ले जाने की थी पंचायती राज कम्प्यूटर युग उन्हीं की देन थी यहां पर उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता राज मनवानी एवं जगदीश सांवले ने कहा कि इंदिरा गांधी जी की हत्या के बाद कठीन परिस्थितियों में राजीव जी ने देश की बागडोर संभाली थी पर उन्होंने अपनी सुझ बुझ से विकसित भारत का निर्माण किया यहां पर कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता महेश गुरबानी ने किया तथा आभार उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी ने व्यक्त किया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 81वीं जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम जिला चिकित्सालय में संपन्न हुआ। कार्यकताओं ने सबसे पहले राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद जिला अध्यक्ष राजीव गुजराती ने स्वयं रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। उनके साथ विवेक राठौर, हर्षदीप राठौर, घनश्याम यादव, अजय रैयकवार, तारा यादव, दिव्यांश मालवीय और तनिष्क त्यागी सहित कई कांग्रेस कार्यकताओं ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर राजीव गुजराती ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान करना पीड़ित मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने बताया कि रक्तदान से न केवल किसी मरीज की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष निशांत वर्मा, विवेक राठौर, प्रीतम दयाल चौरसिया, जफरलाला, सुनील दुबे, रमेश गुप्ता, घनश्याम यादव, सीताराम भारती, नरेन्द्र खंगराले, राकेश वर्मा, सुरेश ठाकुर, तारा यादव, ममता शर्मा, अजय रैयकवार, जितेन्द्र राजपूत, भंवरलाल पाटिल, केके रिछारिया, तुलसी राजकुमार राठौर, भगत सिंह तोमर, राधेश्याम यादव, मुकेश खजुरिया, मोहन वर्मा, अक्षत सिंह सेंगर, यश यादव, तनष्कि त्यागी, मोनू शर्मा, हरिओम सिसोदिया, दिव्यांश मालवीय, लक्की सक्सेना, गजराज परमार, ब्रजेश पाटिदार, ओम सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

गांधीनगर में 25,000 प्रतिभागियों ने सीखे बिजनेस और टेक्नोलॉजी के गुर

दैनिक भेल पॉवर

गांधीनगर। भारत में व्यवसायों के सामने अक्सर डुप्लीकेट बिलिंग, इन्वेंट्री में गड़बड़ी और भुगतान में देरी जैसी सामान्य समस्याएँ आती हैं। इनका हल मिला गांधी नगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में ओडू इंडिया द्वारा आयोजित 'ओडू कम्युनिटी डेज इंडिया 2025' में, जहाँ देशभर के 25,000 प्रतिभागियों ने बिजनेस और टेक्नोलॉजी के गुर सीखे। कार्यक्रम की शुरूआत स्मार्ट क्लासेस से हुई, जहाँ ओडू के एक्सपर्ट्स ने लाइव डेमो में बताया कि कैसे बिना कोड या कम कोड से ऐप बनाए जा सकते हैं और रिपोर्टिंग आसान हो सकती है। इसके बाद ओडू हैकाथॉन हुआ, जिसमें 18,000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और 1,000 को ऑफलाइन फाइनल के लिए बुलाया गया। मुख्य कार्यक्रम में ओडू के सीईओ फैबियन पिनकर्स और एमडी मंतव्य गज्जर ने कीनोट दिए। फैबियन ने बताया कि भारत ओडू का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है, जबकि मंतव्य ने नए प्लान और पार्टनर इकोसिस्टम पर बात की। प्रतिभागियों ने ओडू के पॉइंट ऑफ सेल, स्मार्ट मार्ट और ऑफिशियल मर्चेंडाइज को सीधे इस्तेमाल किया, जिससे उन्हें असली अनुभव मिला। फैबियन पिनकर्स ने कहा, ₹ओडू के जरिए कंपनियाँ अब पुराने तरीके छोड़कर सब कुछ एक जगह मैनेज कर सकती हैं। भारत में 1.2 करोड़ से अधिक यूजर्स इसे इस्तेमाल कर रहे हैं।₹ वहीं, मंतव्य गज्जर ने कहा, ₹यह इवेंट दिखाता है कि डिजिटल और एकीकृत सिस्टम्स से व्यवसाय कैसे तेजी से बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम में अमन गुप्ता, रणवीर अल्लाहबादिया और थिंक स्कूल के गणेश जैसे वक्ताओं ने भी अपने अनुभव साझा किए। ओडू कर्मचारियों ने स्टेज, लाइटिंग और हॉस्पिटैलिटी संभाली, जिससे टीमवर्क और जिम्मेदारी देखने को मिली। ऐसे में, यह कार्यक्रम सिर्फ टेक्नोलॉजी समिट नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक मंच साबित हुआ, जहाँ प्रतिभागियों ने असली सिस्टम देखे, यूजर्स के अनुभव साझा किए और प्रोडक्ट टीम एवं पार्टनर्स से सीधे सीख हासिल की।

नि:शुल्क साइकिल पाकर, खुश हुए बेटे और बेटियां

शाउमा शाला बिछुआ में साईकिल वितरण कार्यक्रम में हुए शामिल हुए विधायक विजयपाल

विधायक विजयपाल सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि मध्यप्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सराहनीय कार्य कर रही है। सरकार शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न योजनाएं बनाई हैं।

दैनिक भेल पॉवर

इटारसी। बुधवार को सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने ग्राम बिछुआ विकासखंड केसला में जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में साइकिल वितरण, लैपटॉप एवं स्कूटी वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला ग्राम बिछुआ विकासखंड केसला में म.प्र. शासन जनजातीय कार्य विभाग की योजना अंतर्गत छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साईकिल वितरण कार्यक्रम में शामिल होकर उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को नई साईकिल की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विधायक विजयपाल सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि मध्यप्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सराहनीय कार्य कर रही है। सरकार शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न योजनाएं बनाई हैं। उत्कृष्ट पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को सरकार प्रोत्साहित कर रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शिक्षा की ताकत को मजबूत कर रहे हैं। इस अवसर पर बहादुर चौधरी, आशुतोष तिवारी, उमेश पटेल, रामपुर मंडल अध्यक्ष विनय यादव, रामफल पटेल, शंभू पटेल, बंटी पटेल, अरुण मलैया, बीईओ श्रीमती आशा मौर्य, शाला प्राचार्य दुबे जी, जनपद सदस्य श्रीमती रजनी परते, सरपंच संतोष काकोड़िया, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपक महाला, किसान मोर्चा अध्यक्ष विकास पटेल सहित सेमरी हरचंद के वरिष्ठ कार्यकर्ता, शिक्षकगण एवं अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह में रायसेन कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा को गोल्ड मेडल से किया सम्मानित

निवाड़ी जिला कलेक्टर रहते हुए सम्पूर्णता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रदान किया गया गोल्ड मेडल

दैनिक भेल पॉवर

रायसेन। *मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह कार्यक्रम आज कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भोपाल में सम्पन्न हुआ। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा वर्तमान में जिला रायसेन कलेक्टर तथा तत्कालीन जिला निवाड़ी कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा सहित सात कलेक्टर्स को गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा को यह गोल्ड मेडल निवाड़ी कलेक्टर रहते हुए सम्पूर्णता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि संपूर्णता अभियान नीति आयोग द्वारा 4 जुलाई 2024 से शुरू किया गया था। इस व्यापक अभियान का उद्देश्य देश भर के आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में 12 प्रमुख सामाजिक क्षेत्र संकेतकों की सौ प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करना है। यह अभियान चार जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक संचालित किया गया था।*

विधायक राय ने बुजुर्गों से कराया 50 लाख के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

45 लाख रू से बने आगंनबाड़ी भवन और दो बाउंड्रीवाल का किया लोकार्पण

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। विधायक सुदेश राय ने बुधवार को ग्रामीण बुजुर्गों को सम्मानित किया, उन्होंने बुजुर्गों को पुष्प मालाएं पहनाकर श्यामपुर शेखपुरा वहीदगंज में 50 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन बुजूर्गों के हाथों से ही सम्पन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान विधायक सुदेश राय ने श्यामपुर में 45 लाख रुपए की लागत से बने आगंनबाड़ी भवन और दो बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का लोकार्पण भी किया। शेखपुरा में ग्रामवासियों के उपयोग के लिए 24 लाख 90 हजार रुपए से मांगलिक भवन बनेगा और श्यामपुर में स्थित चौपड़ा वाले हनुमान मंदिर में टीनशेड का निर्माण किया जाएगा। ग्रामवासियों ने किया स्वागत ग्रामवासियों के द्वारा विधायक सुदेश राय के ग्राम पहुंचने पर उनका ढोल धमाकों के साथ स्वागत किया गया। जनपद सदस्यों सरपंचों पचों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और भाजपा मंडल अध्यक्षों पदाधिकारियों कार्यकताओं ने मंच पर विधायक सुदेश राय को पुष्प मालाएं पहनाकर पगड़ी बांधकर अगवानी की। इस दौरान ग्राम के युवाओं ने भारत माता के जय के नारे भी लगाए।

यह किया गया लोकार्पण

विधायक सुदेश राय सबसे पहले श्यामपुर पहुंचे यहां उन्होंने पंद्रह लाख रुपए से बनी शमशान घाट की बाउंड्रीवाल और दस लाख रुपए से बन कर तैयार हुई चौपड़ा हनुमान मंदिर बाउंड्रीवाल सहित दस लाख रुपए से बनकर तैयार हुई सार्वजनिक धर्मशाला की बाउंड्रीवाल एवं नौ लाख पचास हजार से बनकर तैयार हुए आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण कर निर्माण कार्य जनता को समर्पित किया। विधायक सुदेश राय ने कहा अब आंगनबाड़ी भवन सरकारी भवन में लगेगा जिससे संचालन में कार्यकर्ता और सहायिका बहनों को सहुलियत होगी और बच्चों के साथ माताओं को भी आंगनबाड़ी का लाभ सुलभता से प्राप्त होगा। शमशान घाट, चौपड़ा हनुमान मंदिर और सार्वजनिक धर्मशाला के लिए बनाई गई बाउंड्रीवाल जहां सुरक्षा प्रदान करेगी वही उक्त स्थानों की सुंदरता भी बढ़ेगी।

यह किया गया भूमि पूजन

जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों की उपास्थिति में विधायक सुदेश राय ने श्यामपुर में बीस लाख रुपए की लागत से चौपड़ा वाले हनुमान मंदिर में बनने वाले टीनशेड और शेखपुरा में 24 लाख 90 हजार की लागत से बनने वाले मांगलिक भवन व पांच लाख से बनने वाले टीनशेड एवं एक लाख पचास हजार रुपए की लागत से बनने वाली पुलिया निर्माण सहित एक लाख पचास हजार रुपए से बनने वाले देवस्थल चबूतरा छत निर्माण एवं वहीदगंज में एक लाख पचास हजार के शमशान शेड निर्माण का भूमिपूजन ग्राम के बुजुर्गों के माध्यम से संपन्न कराया।

शहर को स्वच्छ रखना नागरिकों की जिम्मेदारी- नपाध्यक्ष राठौर

यह बात बुधवार को शहर में विकास कार्यों के भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर ने कही। नगर पालिका अध्यक्ष ने वार्ड 14 में लाखों रुपये की लागत से होने वाले तीन प्रमुख कार्यों का भूमि पूजन किया।

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने में नागरिकों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। क्षेत्रवासियों के सहयोग से सीहोर स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रदेश में पहले स्थान पर है और इसी तरह सहयोग मिलता रहा तो जल्द ही देश में भी प्रथम स्थान पर होगा। यह बात बुधवार को शहर में विकास कार्यों के भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर ने कही। नगर पालिका अध्यक्ष ने वार्ड 14 में लाखों रुपये की लागत से होने वाले तीन प्रमुख कार्यों का भूमि पूजन किया। इनमें 5 लाख 68 हजार रुपये की लागत से चंद्रशेखर के घर से प्रकाश कुशवाहा के घर तक बनने वाली सीसी रोडए 12 लाख 35 हजार रुपये की लागत से राजेंद्र पांडे के घर से फॉरेस्ट ऑफिस तक बनने वाली सीसी रोड और 15 लाख रुपये से अधिक की लागत से एक अन्य मार्ग का निर्माण शामिल है।

सडक निर्माण का निरीक्षण- भूमि पूजन से पहले प्रिंस राठौर ने गंज स्थित करौली माता मंदिर के पास बन रही नई सडक का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ठेकेदारों को बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से बचने के लिए आवश्यक निर्देश दिए, ताकि शहरवासियों को आवागमन में कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि यह सडक जनता को सुगम सुविधा देने के लिए हमारे संकल्प का हिस्सा है।

पुलिस ने अवैध पटाखों का जखीरा पकड़ा, 10 लाख रुपये का माल जब्त

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। त्योहारों से पहले अवैध रूप से पटाखें खपाने की फिराक में बैठे एक आरोपी को भैरुंदा पुलिस ने धर दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 10 लाख रुपये के 72 कार्टून अवैध विस्फोटक पदार्थ (पटाखे) जब्त किए हैं। भैरुंदा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि नसरुल्लागंज रोड पर स्थित ग्राम तिलाडिया में भवानीसिंह राजपूत के खेत पर बने एक मकान में भारी मात्रा में अवैध पटाखे रखे हुए हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत, एसडीओपी रोशन कुमार जैन और थाना प्रभारी निरीक्षक घनश्याम दांगी शामिल थे। लाइसेंस न होने पर किया गया गिरफ्तार पुलिस टीम ने तुरंत बताए गए स्थान पर दबिश दी, वहां एक शटर वाले कमरे में प्लास्टिक के काटूर्नों में पटाखे भरे मिले। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने अपना नाम शैलेन्द्र यादव निवासी ऋषिनगर कॉलोनी भैरुंदा बताया और स्वीकार किया कि ये पटाखे उसी के हैं। जब पुलिस ने शैलेन्द्र यादव से इन पटाखों को रखने, बेचने और परिवहन करने का लाइसेंस मांगा तो वह कोई भी वैध कागजात नहीं दिखा पाया। इसके बाद पुलिस ने सभी 72 काटूर्नों को जब्त कर लिया, जिनकी कीमत लगभग 10 लाख रुपये बताई जा रही है।

आरोपी पर केस दर्ज

पुलिस ने शैलेन्द्र यादव के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 9ख और भारतीय न्याय संहिता की धारा 288बी के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी त्योहारों के मौसम में इन पटाखों को बेचने की योजना बना रहा था।

धर्मांतरण के आरोपी जब्बार खान के घर नपा ने चिपकाया नोटिस

24 घंटे में घर की अनुमति दिखाने के निर्देश

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। बीते दिनों मुख्यालय के हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में एक घर में धर्मांतरण मामले में पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने के बाद अब नगर पालिका भी एक्शन में आ गई है। नगर पालिका ने इस मामले के मुख्य आरोपी जब्बार खान के घर नोटिस चिपकाया है। नपाकर्मियों द्वारा हाऊसिंग कालोनी स्थित जब्बार खान के घर नोटिस चिपकाया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में नपाकर्मी कहते सुनाई दे रहे है कि 10 मिनट से आवाज लगा रहे हैं, लेकिन कोई घर से बाहर नहीं आ रहा है। नगर पालिका द्वारा चिपकाए गए नोटिस में स्पष्ट है कि 24 घंटे के अंदर घर की अनुमति नगर पालिका कार्यालय में दिखाएंगे नहीं तो कार्रवाई की जाएगी। आपको बता दें 4 दिन पहले जिला मुख्यालय स्थित हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में जब्बार खान के घर धर्मांतरण मामले की गतिविधि संचालित होते मिली थी, इस मामले में पुलिस ने जब्बार खान व उसकी पत्नी को आरोपी बनाया है। अब इस मामले में नगर पालिका भी एक्शन लेने जा रही है। पति-पत्नी पर दर्ज है एफआईआर, पुलिस कर्मी निलंबित इधर इस मामले में पुलिस ने दो दिन पहले ही फरियादी गोविंद मसुरे पिता स्व. रमेशचन्द्र मसुरे आयु 43 वर्ष हाल निवासी ग्राम बिजौरी जिला सीहोर के आवेदन पर जांच उपरांत जब्बार पिता जरदार खान व उसकी पत्नी ताहिरा खान के विरुद्ध धारा 3/5 मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 के तहत अपराध घटित करना पाया गया। इस मामले में अपराध क्रमांक 582/25 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

शहर में अब तक लगे 13 हजार स्मार्ट मीटर, कंपनी का दावा: संतुष्ट है उपभोक्ता

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। भारी विरोध प्रदर्शन के बीच सीहोर शहर में विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अब तक 12 हजार 938 स्मार्ट मीटर लगा दिए हैं। इधर इस बीच विद्युत कंपनी ने दावा किया है कि स्मार्ट लगाए जाने से विद्युत उपभोक्ता संतुष्ट है। विद्युत वितरण कंपनी की ओर से जारी प्रेस सूचना अनुसार मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सीहोर में वर्तमान में आरडीएसएस योजनांतर्गत स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य किया जा रहा है। योजना के तहत विगत दो माह में शहरी क्षेत्र में लगभग 12,938 स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके है। वर्तमान में स्मार्ट मीटर के संबंध में आम विद्युत उपभोक्ताओं के बीच में कई प्रकार की भ्रांतियां एवं अफवाहे फैलाई जा रही है। इसी बीच जिन उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाये गये हैं, उनसे चर्चा की गई। चर्चा के दौरान उन उपभोक्ताओं के द्वारा स्मार्ट मीटर की कार्य प्रणाली एवं रीडिंग दर्ज की गति पूर्व में स्थापित मीटर के समान ही बतायी गई। उपभोक्ताओं ने बताया कि उनके स्मार्ट मीटर में किसी भी प्रकार कोई अनियमितता दिखाई नहीं दे रही है और मीटर बिल्कुल सामान्य गति से चल रहा है।

सीहोर के जोन.2 में प्रबंधक रविन्द्र अग्रवाल द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के घर सबमीटर लगाकर स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली एवं गुणवत्ता की जांच की गई। जांच के दौरान उन्होंने स्मार्ट मीटर के संबंध में उपभोक्ताओं से प्रतिक्रिया ली। इस दौरान विद्युत उपभोक्ता रमेश विश्वकर्मा निवासी पंचवटी कालोनी, उपभोक्ता प्रदीप कुमार मालवीय निवासी अवधपुरी, उपभोक्ता देवेन्द्र त्यागी निवासी विश्वनाथपुरी तथा अन्य उपभोक्ताओं द्वारा स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली सही बताई गई है। उन्होंने बताया कि उनके घर पर लगा स्मार्ट मीटर बिल्कुल ठीक तरीके से कार्य कर रहा है तथा बिल भी खपत के अनुसार ही आ रहा है। उन्होंने बताया कि वे स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली से संतुष्ट हैं।

भूपेंद्र सिंह सिसोदिया करणी सेवा परिवार के जिला महासचिव नियुक्त

दैनिक भेल पॉवर

राजगढ़। करणी सेवा परिवार के प्रमुख जीवन सिंह शेरपुर की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष मयंक प्रताप सिंह ने भूपेंद्र सिंह सिसोदिया को करणी सेवा परिवार का जिला महासचिव नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के बाद भूपेंद्र सिंह सिसोदिया को उनके इष्ट-मित्रों और सामाजिक जनों द्वारा हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी गईं। समाज में इस निर्णय का स्वागत किया गया है और सभी ने उम्मीद जताई है कि सिसोदिया संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से कई हित सधेंग

डॉ. राधाकृष्णन को दार्शनिक-राजनेता के रूप में विश्वभर में सम्मान मिला। सी.पी. राधाकृष्णन को जनता का भरोसा, सरल व्यवहार और समाज में उनकी स्वीकार्यता ने एक सम्मानित नेता बनाया। डॉ. राधाकृष्णन ने भारतीय संस्कृति के सार्वभौमिक दृष्टिको ा को स्थापित किया। सी.पी. राधाकृष्णन भी राजनीति में समन्वयकारी, सर्वसमावेशी और राष्ट्रहित की सोच को आगे बढ़ाते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राजग ने चंद्रपुरम पोन्नुस्वामी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित करके एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। भाजपा ने बहुत सोच-समझकर उन्हें इस प्रतिष्ठित पद का उम्मीदवार बनाया है। वे तमिल हैं, पिछडे. भी हैं, संघ से जुड़े हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पुराने करीबी एवं साफ-सुथरी छवि वाले राजनायक हैं। भाजपा ने जब उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया, तो यह केवल राजनीतिक गणित का परिणाम नहीं था, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने का निर्णय था, जो सादगी, ईमानदारी और सेवा की पहचान रखते हैं। उनका चयन भारतीय लोकतंत्र की व्यापकता और समावेशिता का जीवंत प्रतीक है। अब तक भारतीय राजनीति में दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में भाजपा की जड़ें अपेक्षाकृत कमजोर और सबसे बड़ी चुनौती रहा है। उत्तर और पश्चिम भारत में लगातार सफलता के बाद पार्टी चाहती है कि दक्षिण के राज्य भी उसके प्रभाव में आएं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और वहां भाजपा के शीर्ष चेहरों में गिने जाते हैं। उनका उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनना भाजपा की यह घोषणा है कि वह दक्षिण भारत को अब हाशिए पर नहीं, बल्कि सत्ता की मुख्यधारा में लाना चाहती है। राधाकृष्णन तमिलनाडु में भाजपा के मजबूत संगठनकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं। सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधाजी के नाम से जाने जाते हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से 1998 और 1999 के आम चुनावों में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए सीपी राधाकृष्णन ने स्कूली जीवन से ही आरएसएस का दामन थाम लिया था।

हालांकि एक दौर में वे तमिल राजनीति में अन्नाद्रमुक के करीब माने जाते थे। उनके तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं से मधुर संबंध हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में डीएमके भी उनकी उम्मीदवारी का विरोध करना कठिन हो सकता है।

उपराष्ट्रपति पद पर उनका चयन ओबीसी समाज को सम्मान और सशक्तिकरण का नया संदेश देगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लगातार इस वर्ग को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया है। राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्न की नीति को बल दिया है। राधाकृष्णन का चयन इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे भाजपा को देशभर में ओबीसी समाज का और अधिक समर्थन मिल सकता है। इससे भाजपा की सामाजिक आधारशिला और मजबूत होगी। भाजपा अपने निर्णयों से हमेशा करिश्मा घटित करती रही है, अपने चतुराई का परिचय देती रही है, सी.पी. राधाकृष्णन का चयन भाजपा की इसी रणनीतिक चतुराई का ही बड़ा उदाहरण है। इससे पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं, दक्षिण भारत में पैठ बनाना, ओबीसी समाज को साधना, विपक्ष को असहज करना और साफ-सुथरी राजनीति का संदेश देना। यह तय है कि उपराष्ट्रपति के रूप में वे न केवल भाजपा बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए सफल नायक सिद्ध होंगे।

यह एक संयोग की कहा जायेगा कि देश के शीर्ष दो पदों पर विराजमान हस्तियों का नाता झारखंड से रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर चुने जाने से पहले झारखंड की राज्यपाल रहीं और देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे सीपी राधाकृष्णन भी इस राज्य के राज्यपाल रहे हैं। इन दिनों वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वे झारखंड के साथ ही तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी-शाह का उन पर बड़ा भरोसा रहा है, क्योंकि उन्हें एक समय एक साथ तीन-तीन राज्यों के राज्यपालों की जिम्मेदारी थमाई गई थी। अभी उपराष्ट्रपति पद पर ऐसे ही भरोसेमंद, निष्ठाशील एवं जिम्मेदार व्यक्ति की ही तलाश थी। उपराष्ट्रपति भारत का प्रतिनिधित्व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी करते हैं। राधाकृष्णन का अध्ययनशील स्वभाव, शालीन व्यवहार और संतुलित दृष्टिकोण भारत की सॉफ्ट पावर को और मजबूत करेगा। उनका व्यक्तित्व भारत की परंपरा, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रभावी प्रतिनिधित्व करेगा।

भारतीय राजनीति में उपराष्ट्रपति केवल राज्यसभा के सभापति ही नहीं होते, बल्कि सर्वदलीय संवाद और लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षक भी होते हैं। राधाकृष्णन का सौम्य व्यक्तित्व, धैर्य और संवाद क्षमता उन्हें इस भूमिका में और अधिक सफल बनाएगी। विपक्षी दलों के लिए भी उनकी छवि स्वीकार्य है, जो संसद की कार्यवाही को संतुलित बनाए रखने में सहायक होगी। सी.पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद पर चयन भारतीय लोकतंत्र की उस विशेषता को रेखांकित करता है, जिसमें सादगी और सेवा जैसे गुण सर्वोपरि माने जाते हैं। वे न केवल दक्षिण भारत और ओबीसी समाज का सम्मान हैं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए आशा और संतुलन का चेहरा हैं। निश्चित रूप से वे उपराष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हुए आने वाले वर्षों में एक आदर्श और प्रेरक नायक सिद्ध होंगे। जैसाकि पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन हमारे आदर्श नायक हैं।

वैसे भी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और वर्तमान उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन के बीच कुछ उल्लेखनीय समानताएं दिखाई देती हैं। भले ही दोनों की पृष्ठभूमि अलग हो, एक महान दार्शनिक, शिक्षक और राजनयिक रहे, तो दूसरे राजनीति और सामाजिक जीवन से जुड़े हैं, फिर भी उनके व्यक्तित्व में कई साझा बिंदु हैं जैसे दोनों का नाम राधाकृष्णन है, जो भारतीय संस्कृति में श्रीकृष्ण से जुड़ी भक्ति, ज्ञान और नीति का प्रतीक है। दोनों ने अपने-अपने क्षेत्र में भारतीय परंपरा और मूल्यों को प्रतिष्ठित किया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन को विश्वपटल पर प्रतिष्ठा दिलाई और शिक्षा जगत को नई दिशा दी। सी.पी. राधाकृष्णन ने राजनीति और सार्वजनिक जीवन में सेवा, ईमानदारी और पारदर्शिता के लिए ख्याति अर्जित की। डॉ. राधाकृष्णन जीवन भर शिक्षक रहे और शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मूल आधार माना। सी.पी. राधाकृष्णन का राजनीतिक जीवन भी शिक्षा, नैतिकता और संस्कारों की धरती पर खड़ा है। वे स्वच्छ छवि और सादगी के लिए जाने जाते हैं। दोनों का जीवन साधारण परंतु ऊँचे आदर्शों से जुड़ा रहा। किसी प्रकार का दुराचार या विवाद इन दोनों के जीवन में नहीं जुड़ा, जो आज के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में बहुत दुर्लभ है। डॉ. राधाकृष्णन को दार्शनिक-राजनेता के रूप में विश्वभर में सम्मान मिला। सी.पी. राधाकृष्णन को जनता का भरोसा, सरल व्यवहार और समाज में उनकी स्वीकार्यता ने एक सम्मानित नेता बनाया। डॉ. राधाकृष्णन ने भारतीय संस्कृति के सार्वभौमिक दृष्टिकोण को स्थापित किया। सी.पी. राधाकृष्णन भी राजनीति में समन्वयकारी, सर्वसमावेशी और राष्ट्रहित की सोच को आगे बढ़ाते हैं। दोनों ही भारतीय मूल्यों, ईमानदारी और राष्ट्र-सेवा के प्रतीक माने जा सकते हैं।

राजनीति में सी.पी. राधाकृष्णन की पहचान एक स्वच्छ और सादगीपूर्ण नेता की है। वे कभी भी विवादास्पद राजनीति का हिस्सा नहीं बने, बल्कि अपने संगठन कौशल, जनता से जुड़ाव और सेवाभाव से अपनी अलग जगह बनाई। सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े रहने के कारण उनका व्यक्तित्व सिर्फ राजनीतिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। यही कारण है कि वे उपराष्ट्रपति पद की गरिमा और जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह सक्षम होंगे। भाजपा ने राधाकृष्णन को मैदान में उतारकर विपक्ष के लिए कठिनाई खड़ी कर दी है। उनकी सादगीपूर्ण और निर्दोष छवि के कारण विपक्ष उनके खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने में हिचकेगा। साथ ही, वे किसी विवाद या कट्टरपंथी राजनीति से दूर रहे हैं, जिससे उनकी स्वीकार्यता सर्वदलीय स्तर पर अधिक है। वे न केवल चुनावी राजनीति में सक्रिय रहे, बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों से भी जुड़े रहे हैं। इससे भाजपा की यह छवि और प्रखर होगी कि वह स्वच्छ और ईमानदार नेतृत्व को प्राथमिकता देती है। राधाकृष्णन क्यों सफल उपराष्ट्रपति साबित होंगे, इस प्रश्न का उत्तर निम्न पंक्तियों में समाया है कि वे पक्षपात से दूर और सर्वदलीय संवाद को बढ़ावा देने वाले विरल व्यक्तित्व माने जाते हैं। भाजपा संगठन में लंबे अनुभव के कारण वे राजनीतिक नब्ज को भली-भांति समझते हैं। इससे जनता और सभी दलों में उनकी विश्वसनीयता बनी रहेगी। दक्षिण भारत का केन्द्र में समुचित प्रतिनिधित्व होने से वे राष्ट्रीय राजनीति में समावेशिता का चेहरा बनेंगे।

और लो राजा, अब रोबोट करेंगे बच्चा पैदा होंगे डिजाइनर बच्चे

विज्ञान ने इंसान को जिस दिशा में धकेल दिया है उससे लगता है कि उसने भगवान की शक्तियां प्राप्त कर ली हैं। सनातन धर्म की मान्यता है, कर्म के आधार पर जन्म होता है। अब मशीनों के जरिए मानव भगवान की शक्तियों और कर्म फल के सिद्धांत को सीधे-सीधे चुनौतियां देता नजर आ रहा है। चीन का यह दावा चमत्कार जैसा लग रहा है। रोबोट यदि बच्चे पैदा करेंगे तो यह मानवीय विकास के लिए चिंता भी पैदा करता है। खबर है, कि चीन ऐसा रोबोट बना रहा है जो बच्चे को गर्भ में पालकर 10 महीने में मानव शिशु को जन्म दे सकेगा। मां के गर्भ की जगह अब ह्यकृत्रिम गर्भह्न और मशीनें ले लेंगी। रोबोट के जरिए जो बच्चे पैदा होंगे उन्हें डिजाइनर बच्चों की तरह पैदा किया जा सकेगा। तकनीक के लिहाज से यह उपलब्धि बांझपन जैसी गंभीर समस्या का समाधान हो सकती है। लाखों महिलाएं जो प्राकृतिक गर्भधारण में सक्षम नहीं हैं उनके लिए यह आशा की किरण है। सवाल सिर्फ तकनीकी का नहीं, मानवीय संवेदनाओं का भी है। एक मां जब गर्भ धारण करती है, यह एक प्राकृतिक घटना होती है। अंडाणु और शुक्राणु का नौ महीने का सफर केवल शारीरिक विकास का नहीं होता है, बल्कि भावनात्मक और मानसिक संवेदनाओं के साथ शिशु पनपता है। गर्भ में पलता शिशु मां की धड़कनें सुनता है। उसके विचारों ओर भावों को महसूस करता है। गर्भ के दौरान वह ज्ञान भी अर्जित करता है। जीवन जीने की पहली शिक्षा गर्भ से शुरू होती है। महाभारत काल में अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु को गर्भ से ही चक्रव्यूह का ज्ञान प्राप्त हुआ था। आधे-अधूरे ज्ञान के

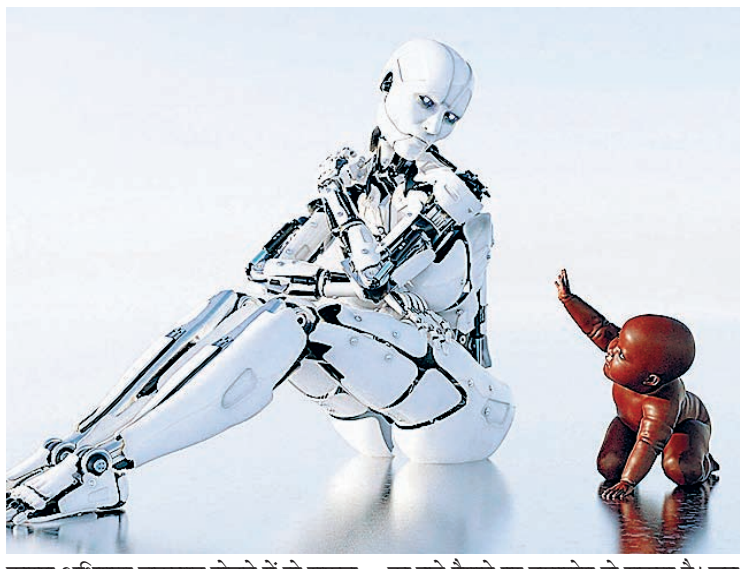

कारण अभिमन्यु चक्रब्यूह तोड़ने में तो सफल हो गया लेकिन चक्रब्यूह से बाहर नहीं निकल पाया। गर्भधारण और जन्म की यह प्रक्रिया केवल जैविक नहीं, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास से भी जुड़ी होती है। ऐसे में सवाल उठता है, क्या मशीनें इस संवेदनात्मक, कुल परंपरा और जैविक रिश्ते, सांस्कृतिक धरोहर की जगह ले पाएगा? बांझपन का उपचार जरूरी है। मां के पेट से बच्चा वह सब कुछ सीखता है, जिस मां के पेट से बच्चे का जन्म होता है। उस परिवार के संस्कार भी उस बच्चे पर आते हैं। रोबोट तकनीक कितने परिवारों को संतान सुख दे पाएगी, यह कहना मुश्किल है। इस तकनीकी का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो सकता है। जब रोबोट ठीक कृत्रिम तरीके से बच्चे पैदा करने लगेंगे। लाखों और करोड़ों लोगों को रोबोट के माध्यम से तैयार किया जाने लगेगा। तकनीकी जब ईजाद होती है, तो उसका मकसद बहुत अच्छा होता है। लेकिन अच्छे मकसद के लिए तकनीकी का इस्तेमाल बहुत कम होता है। तकनीकी का दुरुपयोग सबसे ज्यादा होता है। यह अभी तक के निष्कर्ष से जाना जा सकता है। रोबोट के माध्यम से जो बच्चे जन्म लेंगे वह बच्चे के व्यक्तित्व, मां के स्नेह, माता-पिता के गुण, चिंता और प्यार का हिस्सा नहीं बनना चाहिए? गर्भावस्था से लेकर जन्म होने तक का पूरा सफर केवल मशीन और प्रयोगशाला की दीवारों के बीच तय होगा। तो ऐसे बच्चे केवल जैविक ढांचे बनकर रह जाएंगें। इनमें संवेदनाएं नहीं होंगी। इनका वजूद भी मशीनों की तरह होगा। विज्ञान के जरिए जीवन को बेहतर बनाने का समाधान मिल सकता है, लेकिन उसमें संपूर्णता का बोध नहीं हो सकता है। विज्ञान के जरिए सामाजिक और भावनात्मक विचारों का जन्म नहीं हो सकता है। रोबोट तकनीक गर्भधारण करने और बच्चा पैदा करने की मशीन बनेगी। मातृत्व की पवित्रता मानव समाज के गुण, धर्म, संवेदनाएं तथा आक्रामकता का स्थान नहीं ले सकता है। इस तरह के प्रयास मानवता के संबंधों और विकासक्रम में प्रश्नचिन्ह लगाने वाला कदम होगा। आने वाले समय में इंसान का जन्म यदि प्रयोगशालाओं में तय होगा, तो परिवार, रिश्तों और भावनाओं की परिभाषा ही बदल जाएगी। हम इंसानों के रूप में मशीनी इंसान पैदा करेंगे। विज्ञान के चमत्कार पर केवल ताली बजाने से काम नहीं चलेगा। वर्तमान स्थिति को लेकर हमें सोचना होगा। क्या रोबोट से जन्मे बच्चे का कोई स्वतंत्र भविष्य हो सकता है? मां का प्रेम, संवेदनाएं और जीवन जीने का ज्ञान हर सांस के माध्यम से केवल एक मां ही दे सकती है। यही फर्क इंसान और मशीन के बीच हमेशा बना रहेगा। मानव सभ्यता को लेकर जिस तरीके की छेड़छाड़ की जा रही है, वह हमें कहां तक ले जाएगी कहना मुश्किल है। हमें ध्यान रखना होगा कि वैज्ञानिक तकनीक सुख-सुविधाओं के साथ विकास का तो हिस्सा बने, लेकिन मानवसमाज के लिए भस्मासुर न बनने पाए। सही मायने में हम जीवन और मृत्यु के प्राकृतिक स्थिति में व्यवधान पैदा कर रहे हैं।

संपादकीय

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है- विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं। भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरूआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है- ह्यसमावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनानाह्न। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

(आस्था)

12 महीने बाद शुक्रादित्य राजयोग बनने से इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, सूर्य और शुक्र की रहेगी असीम कृपा, आकस्मिक धनलाभ के योग...

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य देव को आत्मविश्वास, मान- सम्मान, प्रतिष्ठा, सरकारी नौकरी और पिता का कारक माना जाता है, तो वहीं शुक्र ग्रह को लग्जरी, धन, वैभव, कामुकता, वैवाहिक सुख और ऐश्वार्य का कारक माना जाता है। ऐसे में जब इन दोनों ग्रहों की संयोग बनता है तो इन सेक्टरों पर खास प्रभाव मिलता है। आपको बता दें कि सितंबर के महीने में शुक्र और सूर्य की युति तुला राशि में बनने जा रही है। जिससे शुक्रादित्य राजयोग का निर्माण होने जा रहा है। ऐसे में कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है। साथ ही इन लोगों को आकस्मिक धनलाभ और तरक्की के योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं 13 सितंबर से पलट सकती है इन राशियों की किस्मत, 18 महीने बाद मंगल करेंगे शुक्र के घर में प्रवेश, धन- संपत्ति में अपार बढ़ोतरी के योग कर्क राशि आप लोगों के लिए शुक्रादित्य राजयोग का बनना सकारात्मक साबित हो सकता है। क्योंकि यह राजयोग आपकी राशि से चतुर्थ भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस दौरान आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। साथ ही आप कोई प्रापर्टी और वाहन खरीद सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में नए विचारों को लागू करने का यह उत्तम समय है। वहीं इस समय आप कोई लग्जरी आयटम खरीद सकते हैं। साथ ही इस समय आपको माता के माध्यम से धन की प्राप्ति हो सकती है। 30 साल बाद शनि और सूर्य बनाएंगे पावरफुल नवपंचम राजयोग, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, करियर और कारोबार में तरक्की के योग 18 साल बाद बनेगा बुध और केतु का महासंयोग, इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम, करियर में तरक्की के साथ अपार धनलाभ के योग धनु राशि शुक्रादित्य राजयोग बनने से धनु राशि के जातकों के अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं। क्योंकि यह राजयोग आपकी राशि से इनकम और लाभ स्थान पर बनने जा रहा है। इसलिए इस समय आपकी आय में जबरदस्त वृद्धि हो सकती है। साथ ही नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में नए विचारों को लागू करने का यह उत्तम समय है। बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी। वहीं इस समय आपको निवेश से लाभ होगा। साथ ही इस दौरान आपको शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में लाभ हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ।

मेष: आप खुद को ऊर्जा से सराबोर महसूस करेंगे- लेकिन काम का बोझ आपमें खीज पैदा करेगा। दीर्घावधि मुनाफे के नजरिए से स्टॉक और म्युचुअल फंड में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। किसी भी खवीर्ले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। आज काफी दिगागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग-पहेली हल कर सकते हैं।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो।

वृषभ: जिंदगी की ओर उदास नजरिया रखने से बचें। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फायदा दिलायेगा। पढ़ाई-लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। रोमांटिक मुलाकात आपकी खुशी में तड़के का काम करेगी। अगर आप सही लोगों को अपनी क्षमताएँ और प्रतिभा दिखाएंगे, तो जल्दी ही लोगों की निगाहों में आपकी नयी और बेहतर छवि होगी। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फायदेमंद साबित होगी। जो यह समझते हैं कि शादी सिर्फ. सेक्स के लिए होती है, वे गलत हैं।

मिथुन: क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा।

मिथुन: मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। अटके हुए मामले और घने होंगे व खर्चे आपके दिमाग पर छा जाएंगे। एक खुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आपका प्यार न सिर्फ. परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरूआत प्रिय की मुस्कान से होगी और रात उसके सपनों में ढलेगी। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। आप जिस प्रतियोगिता में भी कदम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

कर्क: दिन फायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफी आराम महसूस करेंगे। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। दोस्तों और परिवार के साथ मजेदार समय बीतेगा। आपका प्रिय आपको खुश रखने के लिए कुछ खास करेगा। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर चलने की जरुरत है। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं।

सिहं: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

सिंह: आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आपका मजाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इजाफा करेगा। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मिलाकात हो सकती है। दिन की शुरूआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे।

कन्या: टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्या: जिंदगी का भरपूर लुत्फ उठाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं को काबू में रखें। योग का सहारा लें, जो आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक तौर पर स्वस्थ रखकर दिल और दिमाग को बेहतर बनाता है। कुछ खरीदने से पहले उन चीजों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। जब आप समूह में हों तो ध्यान रखें कि आप क्या कह रहे हैं, बिना ज्यादा समझे-बूझे अचानक कहे गए शब्दों के चलते आप कड़ी आलोचना के शिकार हो सकते हैं। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी।

तुला: रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते।

तुला: आपका सकारात्मक रुख आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। माता-पिता के साथ अपनी खुशियाँ साझा करें। उन्हें महसूस करने दें कि आपके लिए उनकी कितनी अहमियत है, इससे उनका अकेलेपन का एहसास अपने आप खत्म हो जाएगा। हमारी जिंदगी का क्या फायदा, अगर हम एक-दूसरे का जीवन आसान न बना सकें। आज आप खुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू।

वृश्चिक: कामकाम में आपकी तेजी लम्बे समय से चली आ रही समस्या का समाधान कर देगी। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र-बिंदु रहेंगे। कुछ लोगों के लिए नया रोमांस ताजगी लाएगा और आपको खुशमिजाज रखेगा। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। इस राशि के लोगों को आज शराब सिगरेट से दूर रहने की जरुरत है क्योंकि इससे आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे।

धनु: रचनात्मक काम आपको सुकून देगा। घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी जिम्मेदारी समझाने की जरूरत है। आपकी थकी और उदास जिन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी।

मकर: आउटडोर गतिविधियां काफी थकावटी और तनाव देने वाली साबित होंगी। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार-दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। प्रेम का आह्लाद महसूस करने के लिए आप किसी नए व्यक्ति से मिल सकते हैं। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीके से करें।

कुंभ: गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा।

कुंभ: नफरत को दूर करने के लिए संवेदना का स्वभाव अपनाएँ, क्योंकि नफरत की आग बहुत ज्यादा ताकतवर है और मन के साथ शरीर पर भी बुरा असर डालती है। याद रखें कि बुराई अच्छाई से ज्यादा आकर्षक जरूर दिखाई देती है, लेकिन उसका असर खराब ही होता है। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज्यादा सिखाता है।

मीन: दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची।

मीन: आप खुद को ऊर्जा से सराबोर महसूस करेंगे- लेकिन काम का बोझ आपमें खीज पैदा करेगा। दीर्घावधि मुनाफे के नजरिए से स्टॉक और म्यूचुअल फंड में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। किसी भी खवीर्ले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। आज काफी दिगागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं।

युवा पीढ़ी पर फैशन का भूत

फैशन का अर्थ सिर्फ पहनावे से नहीं है। जिसका मूल अर्थ है बदलाव। हर पीढ़ी अपने साथ कुछ नया बदलाव लाती है। परन्तु आज हम उस बदलाव को सिर्फ फैशन का नाम दे रहे है। हम सिर्फ भौतिकवादी सभ्यता के पीछे भाग रहे है। जिससे हम अपनी संस्कृति और सभ्यता से दूर हो रहे है। आज आधुनिक युग में यह फैशनवादी भूत युवा पीढ़ी को जकड रहा है। तो हम इसी युवा पीढ़ी पर बढ़ते फैशन के प्रभाव को जानने रहे है।

आधुनिक फैशन का चलन

20वी शताब्दी मैं जैसे ही पाश्चात्य सभ्यता असर पड़ा। वैसे ही हमारे खान पान, रहन सहन में बदलाव आया। परन्तु मुख्य बदलाव हमारे पहनावे, शिक्षा और बोलचाल में आया। हमारे अभिनेता जो महंगे पेंट, शर्ट, कोट, टाई और जूते पहनते है। उनकी नकल आज का शिक्षित पुरुष वर्ग कर रहा है। वही दूसरी और फिल्म जगत में अभिनेत्रीया जिस प्रकार से वस्त्र पहनती है। उनकी नकल युवतियाँ कर रही है। इन्ही अभिनेता और अभिनेत्रीयो के फैशन को देख कर कम्पनियाँ भी अपने उत्पाद बना रही है। फैशन शो हो रहे है। बढ़ते फैशन के प्रभाव से हमारा समाज प्रभावित हो रहा है। जिससे हमारी युवा पीढ़ी पर फैशन का भूत चढ़ गया है। जो युवा पीढ़ी के संस्कारो को प्रभावित कर रहा है।

आधुनिक फैशन के प्रकार एवँ बदलता रूप

आधुनिक समय में फैशन के विविध रूप नजर आ रहे है। फैशन और फिल्म उद्योग के अभिनेता और अभिनेत्रियाँ जिस प्रकार का विज्ञापन करते है। उसी प्रकार युवा पीढ़ी छोटे छोटे कपड़े, नाभि तक शरीर का प्रदर्शन और सौंदर्य प्रसाधन का प्रयोग आज आम बात हो गयी है। जीवन की दैनिक क्रिया जैसे वातार्लाप, नाचना, खाना-पीना और रहन झ सहन भी फैशन के हिसाब से हो गया है।

फि ल्मो में अश्लील डांस, गाने और अभिनेत्रियों का छोटे छोटे कपड़े पहनना आज का फैशन बन गया है। युवक और युवतिया पैसो की भूख के लिए कॉल गर्ल और कॉल बॉय तक बन जाते है। यह फैशन शहरों में ही नहीं बल्कि अब तो गावों में भी फैलता जा रहा है। इस फैशन में माता-पिता, भाई-बहन, गुरु-शिष्य और समाज के रिश्तों में बदलाव आ रहा है। पुरानी पीढ़ी इस फैशन का विरोध करती है। फिर भी युवा पीढ़ी इसे फैशन मान रहे है। यही फैशन का भूत युवा पीढ़ी के सिर चढ़ रहा है। जिससे आज युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता और संस्कृति भूलती जा रही है।

फैशन का भूत सिर्फ कपड़ों तक का नहीं

बहुत से लोग यह सोचते हैं कि कपड़ों के लेटेस्ट डिजाइन और स्टाइल को अपनाना ही फैशन है। लेकिन कपड़ों के अलावा चश्मे, मोबाइल फोन, पर्स, जूते से लेकर टोपी तक हर जगह आपको फैशन देखने को मिलेगा। एक समय पर फोन केवल बात करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन आज फोन एक जरूरत बन गया है। जरूरत से ज्यादा आज के समय में यह एक फैशन सिंबल बनता जा रहा है। हर कोई महंगे से महंगा फोन इस्तेमाल करना चाह रहा है। 10 हजार रुपये की नौकरी करने वाले युवक और युवतियां भी फैशन की होड़ में 40 से 50 हजार रुपए तक का फोन इस्तेमाल कर रहे है और यह फैशन इंडस्ट्री की ही देन है। केवल फोन खरीदने तक ही नहीं, इसके बाद फोन के लिए महंगे-महंगे कवर, उसके साथ हजारों रुपये वाले ईयरफोन्स का इस्तेमाल भी फैशन बनता जा रहा है। यही सब हाल आपको चश्मे, जूते और पर्स जैसी चीजों में देखने को मिलेगा। ये सभी एसेसरीज आज केवल जरूरत नहीं बल्कि फैशन बन गई है।

फैशन की कोई उम्र नहीं

एक समय था जब फैशन किसी उम्र के बाद ही अच्छा लगता था और एक सीमित उम्र आने पर यह थम भी जाता था। लेकिन आज के जमाने में फैशन की कोई उम्र नहीं रही है। दूध पीते बालक से लेकर मृत्यु शय्या पर लेटे हुए व्यक्ति तक हर किसी पर फैशन का भूत सवार है। बहुत छोटी उम्र से ही आजकल बच्चों को फैशन करना सिखा दिया जाता है, या फिर ऐसा कहना भी गलत नहीं होगा कि नई पीढ़ी तो माँ की कोख से ही फैशन सिखती आ रही है।

गर्भावस्था के दौरान फोटोशूट कराना, उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करना, सब फैशन का ही कमाल है और इसका सीधा असर बच्चे पर पड़ता है। 2-3 साल के बच्चे भी आजकल समारोह में फैशन को लेकर स्टाइल दिखाते नजर आते है।और यही बच्चे बाद में जब छोटे कपडे पहनते हैं तो माता-पिता अंग प्रदर्शन, परम्परा और संस्कृति का हवाला देके रोकने की कोशिश करते है। अब भला उन्हें ये बात कैसे समझ आ सकती है, क्यूंकि उनका बचपन तो फैशन की भेंट चढ़ गया है। फिर इसी प्रकार शरू होता है बत्तमीजी का वो सिलसिला जिसका अंत माँ-बाप से अलग होकर ही रुकता है।

सुंदरता की परिभाषा बन गया है फैशन

इस दुनिया में भगवान द्वारा बनाया गया हर प्राणी अपने आप में सुंदर और खूबसूरत है। लेकिन शायद अब इंसानों को ईश्वर की रचनाएं भी पसंद नहीं आती। इसीलिए लोग खुद को और ज्यादा खूबसूरत दिखाने के लिए फैशन का सहारा लेने लगे है। आप अपनी दिनचर्या में बहुत से ऐसे पुरुषों और महिलाओं को देखते होंगे जो बिना फैशन के घर से बाहर कदम भी नहीं रखते। यहाँ तक कि आजकल तो मॉर्निंग वॉक में भी सेंट और लिपस्टिक लगाने का चलन बन गया है। कुछ विशेष पवर्ब और समारोह के दौरान फैशन करना जायज है, लेकिन प्रतिदिन फैशन करना बिल्कुल भी उचित नहीं है। रोजाना फैशन से व्यक्ति की स्किन को भी काफी नुकसान पहुंचता है।अक्सर ऐसा होता है कि लड़का-लड़की एक-दूसरे को फोटो में देखकर पसंद कर लेते है। लेकिन जब असली चेहरा सामने आता है तो क्लेश और झगड़े के अलावा कुछ नहीं बचता। ऐसे में यदि आप पहले ही अपना वास्तविक फोटो भेजेंगे तो बाद में किसी प्रकार के वाद-विवाद का मौका ही नहीं मिलेगा। भगवान ने जैसा आपको बनाया है, यदि आप खुद को उस रूप में स्वीकार कर लेंगे तो शायद इस दुनिया में आपसे अधिक सुंदर व्यक्ति कोई नहीं होगा।

अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि समय के अनुसार बदलना जरूरी है। रूढ़िवादी सोच और आधुनिकता के हिसाब से बदलना भी पड़ता है। इतना भी मत बदलो की आप अपने संस्कार ही भूल जाओ। मैं फैशन का विरोध नहीं करता हु। पर ऐसा फैशन भी मत करो की हमारे बुजुर्ग और रिश्तों को ठेस पहुंचे।

आप स्कूल जाते है तो पैंट शर्ट, कॉलेज जाते है तो जीन्स टी-शर्ट और विवाह में जाते है तो आप अपने पारंपरिक पहनावा अपना सकते है। जो की सभ्य तरीके का फैशन है। फैशन के भूत के हिसाब से आप थोड़ा बहुत बदलाव कर सकते है। पर फैशन के नाम पर आप अपनी सभ्यता

पहनें ऐसे कपड़े, दिखेंगी ट्रेंडी, बॉडी को भी मिलेगी राहत

बदलता मौसम हमारे ड्रेसिंग सेंस में भी बदलाव कर देता है. लेकिन इस बीच सबसे जरूरी बात यह है कि हम मौसम के हिसाब से अपने लिए कपड़ों का चुनाव करने में जरा भी लापरवाही बरतते हैं तो हमारी बॉडी के साथ-साथ हमारी त्वचा को नुकसान होता है. हम हमेशा चाहते हैं कि हम हर मौसम में ट्रेंडी दिखें, तो और हम आपको बताते हैं कि कुछ आसान टिप्स, जिन्हें आजमा कर आप ट्रेंडी दिख सकती हैं.

गर्मी से लोग बेहाल हैं, ऐसे में हमें गर्मी से राहत देने वाले कपड़ों का ही चुनाव करना चाहिए. लेकिन इस बीच हम यह ना भूलें कि हम और ज्यादा आकर्षक कैसे दिख सकते हैं. हमें गर्मी में हल्के रंगों के कपड़ों का चुनाव करना चाहिए. कॉटन मिक्स सिल्क, शिफान, लिनन, जॉरजट, हैंडलूम और खादी से बने कपड़े का चुनाव कर हम अपनी बॉडी को नुकसान से तो बचा सकते हैं, साथ ही हम ट्रेंडी भी दिख सकते हैं.

फैशन के लिहाज से देखा जाए तो एक दुबली लड़की पर ढीली शॉर्ट कुर्ती और वहीं अगर आपकी हाइट कम है तो आपको लूज और जेब वाली कुर्तियां ट्राई करनी चाहिए. ज्यादातर लड़कियां गर्मी से राहत के लिए स्लीवलेस ड्रेस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन इससे धूप में हमारे हाथों की त्वचा जल सकती है. ऐसे में पूरी बाजू के कपड़े ही पहनें.

कॉटन, शिफॉन के ड्रेसेस फॉर्मल लुक के लिए पहने जाते है, जो आजकल ट्रेंड की हिस्सा बने हुए हैं. इस जलते-चुभते मौसम में आप लिलन और जॉरजट की स्कर्ट पहन सकती हैं. इससे आपका लुक तो एन्हांस होगा ही, साथ में आपको गर्मी से भी राहत मिलेगी. बता दें सिल्क, साटन , सिन्थेटिक, कोलेस्टर मिक्स, नायलॉन, वेलवेट के कपड़े गर्मी में आपको इन्फेशन कर सकते हैं. हेवी फेब्रिक के कपड़े पहनने से बचें. गर्मी में कपड़ों की फिटिंग कराते समय ध्यान रखें कि टाइट फिटिंग वाले कपड़ों में भले ही आपका फिगर आकर्षक दिखेगा, लेकिन इन कपड़ों में आपको आराम नहीं मिलेगी. गर्मी के मौसम में फिटिंग के कपड़े पसीने आने पर आपकी बॉडी से चिपक जाते हैं. जिससे इन्फेक्शन के चांस बढ़ जाते हैं.

फैशन के लिहाज से देखा जाए तो एक दुबली लड़की पर ढीली शॉर्ट कुर्ती और वहीं अगर आपकी हाइट कम है तो आपको लूज और जेब वाली कुर्तियां ट्राई करनी चाहिए. ज्यादातर लड़कियां गर्मी से राहत के लिए स्लीवलेस ड्रेस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन इससे धूप में हमारे हाथों की त्वचा जल सकती है. ऐसे में पूरी बाजू के कपड़े ही पहनें. कॉटन, शिफॉन के ड्रेसेस फॉर्मल लुक के लिए पहने जाते है, जो आजकल ट्रेंड की हिस्सा बने हुए हैं.

Twitter ला रहा है TikTok जैसा फीचरः अब ऐप पर ये सब भी कर सकेंगे यूजर्स

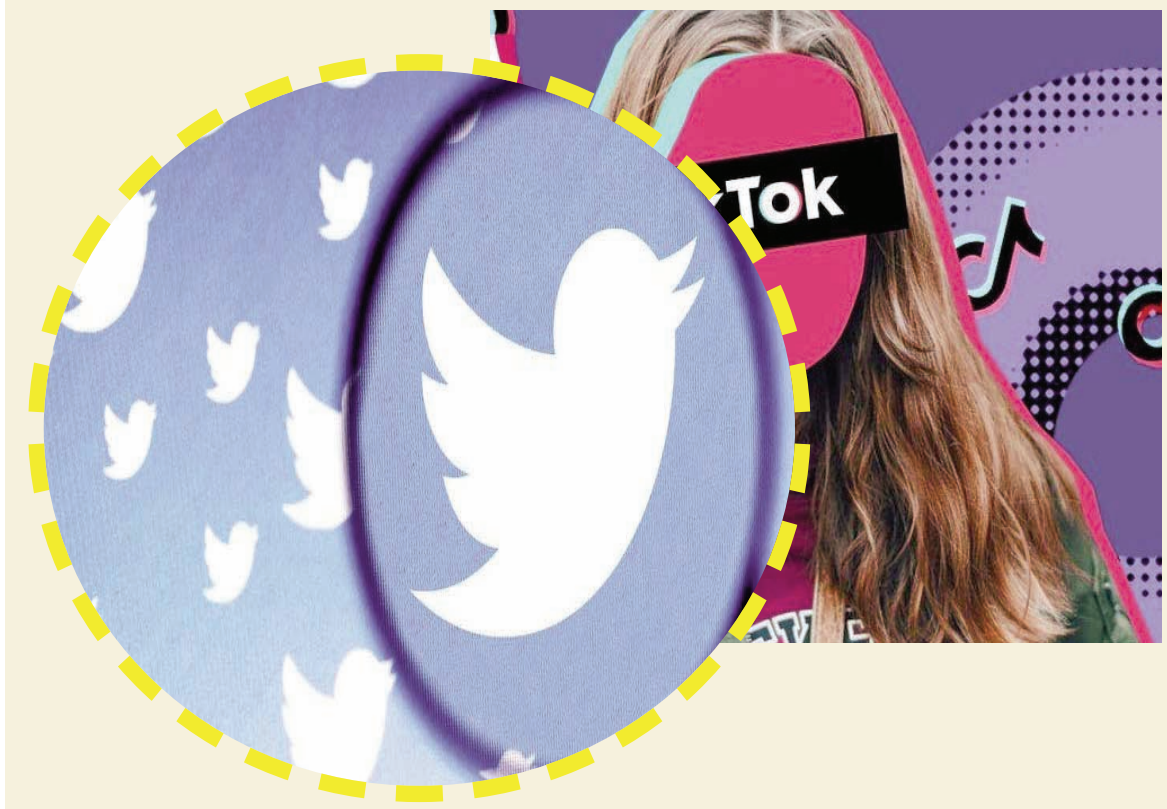

ट्विटर एक ऐसा फीचर जोड़ रहा है जिसके इस्तेमाल से यूजर्स फोटो और वीडियो के जरिए ट्वीट पर रिएक्ट कर सकेंगे। टिकटॉक जैसे फीचर को 'कोट ट्वीट विद रिएक्शन' के नाम से जाना जाएगा और यह रीट्वीट मेन्यू में उपलब्ध होगा। इस पर टैप करने से यूजर किसी ऐसे ट्वीट पर रिएक्ट कर सकेगा, जिसमें इमेज या वीडियो का मूल ट्वीट एम्बेड किया गया हो। 'ट्वीट टेक्स' नाम का फीचर टिकटॉक के वीडियो रिप्लाई के समान है और फिलहाल आईओएस पर इसका टेस्ट किया जा रहा है।

ऐसा काम करेगा नया फीचर

ट्विटर ने 7 जनवरी को नए फीचर के बारे में घोषणा की। नए फीचर के लाइव होने से यूजर्स 'कोट ट्वीट विद रिएक्शन' ऑप्शन वाले ट्वीट के लिए कस्टमाइज्ड रिएक्शन वीडियो का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऑप्शन पर क्लिक करने पर, उपयोगकताओं को एक पेज पर रीडायरेक्ट किया जाएगा जहां वे अपनी डिवाइस लाइब्रेरी से एम्बेड किए गए ट्वीट के साथ एक फोटो, वीडियो जोड़ सकते हैं या एक बना सकते हैं।

5 महीने पहले ट्विटर ने बंद किया था फ्लीट्स फीचर

नया ट्विटर फीचर फ्लीट्स के बंद होने के पांच महीने बाद आया है। फ्लीट्स इंस्टाग्राम स्टोरीज की तरह थे जहां उपयोगकर्ता स्क्रीनशॉट, वीडियो या तस्वीरों के साथ अपने ट्वीट शेयर कर सकते थे, जो 24 घंटों में गायब हो जाते थे। इसके बाद कंपनी इस फीचर में लोगों का कम रुझान देखते हुए, लॉन्च से आठ महीने में ही इस फीचर को बंद कर दिया था।

एफबी, वॉट्सऐप, इंस्टा को टक्कर देगा ट्विटर

तब से, ट्विटर उन फीचर्स को जोड़ रहा है जो उन्हें टिकटॉक, क्लबहाउस और मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप के प्रतिद्वंद्वियों के रूप में पेश करेंगे। हाल ही में लिमिटेड उपयोगकताओं के लिए एक और एक्सप्लोर टैब फीचर को अनलॉक किया गया था। यह फीचर यूजर्स को प्लेटफॉर्म पर ट्रेंडिंग वीडियो, इमेज, ट्वीट जैसे प्लेटफॉर्म पर वर्टिकल फैशन में टॉप ट्रेंडिंग कंटेंट की तुरंत जांच करने देता है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने किया 'तन समर्पित, मन समर्पित' पुस्तक का भव्य लोकार्पण

नई दिल्ली , एजेंसी। नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में स्वर्गीय रमेश प्रकाश के जीवन और योगदान को समर्पित उनकी जीवनी प्रधान पुस्तक %तन समर्पित, मन समर्पित% का अत्यंत ही मार्मिक और प्रेरक लोकार्पण हुआ। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी, इंडिया टुडे समूह की अध्यक्ष श्रीमती कली पुरी जी और स्वर्गीय रमेश प्रकाश की पत्नी श्रीमती आशा शर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया, क्योंकि प्रत्येक ने रमेश जी की असाधारण जीवन-यात्रा को प्रतिबिंबित किया, जिसमें समाज कल्याण के प्रति उनके समर्पण, उनकी अटूट सेवा भावना और राष्ट्र के प्रति उनके अटूट प्रेम का जश्न मनाया गया।

सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. मोहन भागवत ने रमेश जी के प्रेरणादायक गुणों पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि कैसे उनके जीवन में त्याग, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव के प्रति अथक प्रतिबद्धता के आदर्श प्रतिबिम्बित हुए। एक समर्पित कार्यकर्ता की पहचान उपाधियों, धन या सार्वजनिक प्रशंसा से नहीं, बल्कि आंतरिक अनुशासन, विनम्रता और व्यापक हित के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता से होती है। ऐसा व्यक्ति शांत, त्याग की भावना से परिपूर्ण होता है, हमेशा ज़िम्मेदारियों को निभाने के लिए तत्पर रहता है, कभी भी पहचान की चाह नहीं रखता, और हमेशा अपने उदाहरण से दूसरों को प्रेरित करता रहता है। रमेश जी इन गुणों के प्रतीक थे। उनकी सबसे बड़ी शिक्षाओं में से एक

थी - राष्ट्र सेवा पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। गृहस्थ आश्रम के ढांचे के भीतर, उन्होंने हमें दिखाया कि कैसे परिवार का पालन-पोषण प्रेम और जिम्मेदारी से किया जा सकता है, और साथ ही, उसी भावना को समाज और राष्ट्र तक भी पहुँचाया जा सकता है। व्यक्तिगत कर्तव्यों को जनसेवा के साथ सामंजस्य बिठाकर, उन्होंने प्रदर्शित किया कि दोनों अलग नहीं, बल्कि पूरक हैं। डॉ. भागवत ने प्रकाश जी की असाधारण सादगी और समर्पण पर भी विचार किया, और इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसे व्यक्तित्व समाज के नैतिक ताने-बाने को मज़बूत करते हैं और बिना किसी पहचान या सामाजिक प्रतिष्ठा की लालसा के, रमेश जी ने राष्ट्र और उसके लोगों के कल्याण के लिए निरंतर परिश्रम किया, और अपने आदर्श की शांत उदात्तता से सभी को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान की सराहना की और इस बात पर ज़ोर दिया कि कैसे उनके मूल्य समाज की सेवा में पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

भारत के बौद्धिक और मीडिया जगत की ओर से बोलते हुए, श्रीमती कली पुरी ने इस पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह राष्ट्र निर्माण में व्यक्तिगत त्याग के महत्त्व की समयोचित याद दिलाती है और *पंच परिवर्तन* के विचार के महत्त्व पर भी प्रकाश डालती है। यह पुस्तक रमेश प्रकाश जी की अथक यात्रा को दर्शाती है, जिनका जीवन निस्वार्थ सेवा, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय उत्थान के लिए समर्पित था। प्रकाशित यह पुस्तक रमेश प्रकाश जी की अथक जीवन-यात्रा को प्रकाशित करती है। एक ऐसा जीवन जो अनवरत निस्वार्थ सेवा, समाज कल्याण और राष्ट्र उत्थान के लिए समर्पित रहा। प्रकाश जी सत्यनिष्ठ, कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित तो थे ही, वे त्याग और देशभक्ति के उन आदर्शों के प्रतीक थे, जिन्हें आरएसएस ने सदैव पोषित किया है। सामुदायिक विकास और युवा लामबंदी से लेकर सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के प्रयासों तक, उनका कार्य पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। श्री सुमित मलुजा जी ने कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और कहा- राष्ट्र के उत्थान और परम वैभव को अपने आचरण में उतार कर रमेश प्रकाश जी अमर हो गए। इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता और रमेश जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरित-प्रभावित प्रशंसकों ने शिरकत की तथा राष्ट्र एवं समाज कल्याण के प्रति उनके सरल, विनम्र एवं पूर्णतः समर्पित जीवन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही काफी बड़ी संख्या में विद्वान, साहित्यकार, पत्रकार, शोधार्थी, विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। इतनी भारी संख्या के बीच ÷तन समर्पित, मन समर्पित÷ का लोकार्पण उसकी इस महत्ता को दर्शाता है कि यह केवल साहित्यिक अवसर मात्र नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों का उत्सव भी था, जिसने समस्त उपस्थित जनों को पुनः स्मरण कराया कि सेवा का सार राष्ट्र और उसकी जनता के प्रति अटूट समर्पण में सन्निहित है। सुरुचि प्रकाशन के श्री रजनीश जिंदल जी ने सभागार में उपस्थित सभी जनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया तथा वंदे मातरम् गीत से कार्यक्रम का समापन हुआ।

जेल में ही रहेंगे पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य, कोर्ट ने फिर बढ़ाई रिमांड

शराब घोटाले में हैं आरोपी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की रिमांड अब तीसरी बार बढ़ा दी गई है। कोर्ट ने उन्हें फिर 14 दिन की रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले में अब 1 सितंबर 2025 को सुनवाई होगी। इधर, ईडी ने चैतन्य बघेल की 5 दिन की कस्टोडियल रिमांड की मांग की थी, जिस पर 19 अगस्त को सुनवाई होगी। पूर्व सीएम के बेटे चैतन्य बघेल को इससे पहले 4 अगस्त को कोर्ट में पेश किया गया था। तब उनकी रिमांड 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई थी। इसकी मियाद खत्म होने के बाद उन्हें सोमवार को एक बार फिर विशेष कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें तीसरी बार 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मामले में अब 1 सितंबर को सुनवाई होगी। इस बीच ईडी ने कुछ नए तथ्य सामने आने के बाद पूछताछ के लिए 5 दिन की रिमांड पर लेने के लिए आवेदन लगाया है। कोर्ट में कन्डोलेंस हो जाने के कारण इस पर सुनवाई टल गई है। अब 19 अगस्त को इस पर सुनवाई होगी। बता दें कि चैतन्य बघेल अभी रायपुर के केंद्रीय जेल में बंद हैं।

जन्मदिन पर ईडी ने किया था गिरफ्तार : ईडी की टीम ने चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को उनके जन्मदिन पर भिलाई स्थित निवास से धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। ईडी की जांच एसीबी-ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज एफआईआर पर आधारित है। आरोप है कि शराब घोटाले से प्रदेश के खजाने को भारी नुकसान हुआ। करीब 3200 करोड़ रुपए की अवैध कमाई शराब सिंडिकेट से जुड़े लोगों तक पहुंचाई गई। चैतन्य बघेल को भी शराब घोटाले में रकम मिली है। इस घोटाले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। ईडी की इस कार्रवाई को लेकर प्रदेश में कांग्रेस के नेताओं ने काफी हंगामा भी किया था।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के खिलाफ बुलडोजर ऐक्शन, सरकारी जमीन पर बने चर्च को ढहाया

बिलासपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण की खबरों के बीच बुलडोजर कार्रवाई की शुरुआत भी हो गई है। बिलासपुर में धर्मांतरण के खिलाफ जिला प्रशासन का बुलडोजर चला है। शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाए गए प्रार्थना घर और चर्च को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया है।

इससे पहले हिंदू संगठनों ने यहां प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण का भंडाफोड़ किया था। तब पुलिस कार्रवाई के बाद प्रशासन ने अवैध प्रार्थना घर के निर्माण की जांच शुरू की थी। अब अवैध निर्माण को ढहाया गया है। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग इस कार्रवाई को वाजिब बता रहे हैं। दरअसल, बिलासपुर के सकरी थाना क्षेत्र के भरनी में धर्मांतरण के खेल का भंडाफोड़ हुआ था। यहां गांव के एक मकान में प्रार्थना सभा की आड़ में लोगों का धर्मांतरण कराया जा रहा था। हिन्दू संगठनों के हंगामे के बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज करते हुए शामिल लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की थी। हिंदू संगठन के लोगों ने धर्मांतरण को लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जिस मकान में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था, जिला प्रशासन की टीम ने उसकी जांच शुरू की गई। जांच में पता चला कि शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर गांव की सुनीता के परिवार ने प्रार्थना घर का निर्माण कराया था। सरपंच की शिकायत के बाद जिला प्रशासन की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में अवैध प्रार्थना घर पर बुलडोजर चलाया और निर्माण को जमींदोज कर दिया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में हिंदू संगठन, स्थानीय लोग और अवैध कब्जाधारी मौके पर मौजूद रहे। कब्जाधारी जिला प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध करते रहे, वहीं हिंदू संगठन कार्रवाई के पक्ष में खड़े दिखे। इस दौरान तनाव की स्थिति भी बनी। कब्जाधारियों का कहना था कि वे कई वर्षों से ईसाई धर्म को मान रहे हैं और यहां प्रार्थना करते आ रहे हैं। उन्होंने लोन लेकर भवन का निर्माण कराया था। वे यह भी मान रहे हैं कि निर्माण शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर किया गया था।

पुलिस एनकाउंटर में पीठ दिखा भागने वाले इंस्पेक्टर पर ऐक्शन, लापरवाही में थाना प्रभारी-दरोगा भी सस्पेंड

मेरठ , एजेंसी। यूपी में मेरठ के कलेक्शन एजेंट से 84 हजार रुपये की लूट करने वाले बदमाशों की घेराबंदी में मुठभेड़ के दौरान पीठ दिखाकर भागे इंस्पेक्टर भावनपुर को लाइन हाजिर कर दिया गया है। भीड़ को देखते ही इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ भाग खड़े हुए थे। इसके बाद भी एक कांस्टेबल ने बदमाश को नहीं छोड़ा। भीड़ ने कांस्टेबल के साथ धक्कामुक्की की। वहीं एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने परीक्षितगढ़ थाना प्रभारी संजय द्विवेदी और फलावदा थाने के दरोगा योगेश गिरी को सस्पेंड कर दिया। दोनों पुलिसकर्मियों पर हत्या के प्रयास के मामले में विवेचना के दौरान लापरवाही और आर्थिक लाभ लेने के आरोप हैं। एसपी सिटी को दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। सात अगस्त को भावनपुर पुलिस ने पंचगांव पट्टी-स्याल मार्ग पर तीन बदमाशों ने कलेक्शन एजेंट से 82 हजार की लूट की थी। किनानगर के पास हाईवे पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने बदमाश प्रिंस निवासी भटीपुरा किठौर और उसके साथी अभिषेक निवासी अम्बहेड़ा साहनी किठौर, आकाश निवासी भटीपुरा और एक बाल अपचारी की घेराबंदी की। पुलिस के पीछा करने पर बदमाशों की बाइक फिसल गई। उसके बाद तीन बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया। प्रिंस का पीछा करते हुए पुलिस कुछ दूर आगे तक निकल गई।

अब रेल सफर में तय सीमा से ज्यादा वजन ले जाने पर लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल यात्रा में अकसर आपने लोगों को भारी सामान लाते ले जाते देखा होगा, लेकिन जल्दी ही यह पुरानी बात हो जाएगी। रेलवे अब हवाई यात्रा की तरह सामान को लेकर सख्त नीति अपनाने जा रहा है। इसके तहत एक निश्चित वजन या आकार से ज्यादा सामान लेकर जाने पर पेनल्टी भी देनी पड़ सकती है। इसके लिए रेलवे स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक मशीनें लगाई जाएंगी। इनसे होकर जब सामान गुजरेगा तो पता चल जाएगा कि वजन और माप तय सीमा के भीतर ही है या नहीं। यदि माप और वजन तय लिमिट से ज्यादा हुआ तो फिर जुर्माना या अतिरिक्त चार्ज चुकाना होगा। यही नहीं रेलवे स्टेशनों पर भी अब लोगों का अनुभव बदलने की तैयारी पूरी हो गई है।

अब रेलवे स्टेशनों पर बड़े ब्रांड्स की दुकानें दिख सकती हैं। रेलवे स्टेशनों पर कपड़े, ट्रैवल, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान आदि आप आसानी से खरीद पाएंगे। इसके लिए शानदार दुकानें होंगी, जिनका रेलवे की ओर से टेंडर जारी किया जाएगा। इससे रेलवे स्टेशनों पर पहुंचकर लोग एयरपोर्ट जैसे माहौल का अनुभव करेंगे। इसके अलावा रेलवे के रेवेन्यू

में भी इजाफा होगा। दुकानें टेंडर से आवंटित की जाएंगी, जिनके शुल्क से रेलवे को अच्छी आय होने की उम्मीद है। रेलवे सूत्रों का कहना है कि सामान की वजन सीमा श्रेणी के अनुसार तय होगी। जैसे सामान्य श्रेणी का टिकट लेकर यदि कोई सफर कर रहा है तो उसे अपने साथ 35 किलो सामान से ज्यादा ले जाने की परमिशन नहीं होगी।

यदि एक से ज्यादा लोग सफर कर रहे हैं तो तय लिमिट प्रति यात्री के अनुसार होगी। जैसे एक व्यक्ति पर 35 किलो की परमिशन है तो दो लोग साथ होंगे तो 70 किलो वजन तक का सामान ले जा सकते हैं। अब श्रेणी वार लिमिट की बात करें तो स्लीपर और थर्ड एसी में यह 40 किलो प्रति व्यक्ति होगी। इसके अलावा सेकेंड एसी में एक व्यक्ति को 50 किलो तक सामान ले जाने की परमिशन रहेगी। वहीं फर्स्ट एसी में यह लिमिट 70 किलोग्राम रहेगी। रेलवे सूत्रों का कहना है कि यह लिमिट इसलिए तय की गई है ताकि सभी यात्रियों का सफर सुखद और सुगम रहे।

अब श्रेणीवार लिमिट की बात करें तो ऐसा इसलिए तय किया गया है ताकि सीटों की व्यवस्था के अनुसार ही सामान रखा जा सके। जैसे जनरल में जगह सबसे कम बचती है, ऐसे में उसके लिए लिमिट कम है। इसी प्रकार स्लीपर और थर्ड एसी का सीटिंग पैटर्न एक जैसा है। इसलिए वहां सामान की लिमिट एक समान रखी गई है। वहीं सेकेंड में एसी में एक लाइन में दो सीटें ही रहती हैं। इसलिए सामान की परमिशन थोड़ी ज्यादा है। फिलहाल इस लिमिट के तहत प्रयागराज जोन में काम शुरू होने वाला है। इसके बाद पूरे देश में ही रेलवे का यह फॉर्मूला लागू होगा।

बिहार को लेकर जारी घमासान के बीच अब ओडिशा में होगा एसआईआर

भुवनेश्वर, एजेंसी। बिहार में एसआईआर को लेकर बीते 2 महीने से घमासान मचा हुआ है। इस बीच चुनाव आयोग ने एक और राज्य में यह प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया है। ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर संत गोपालन ने सोमवार को बताया है कि ओडिशा में अगले महीने से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया है कि 2002 के बाद राज्य में पहली बार यह प्रक्रिया की जाएगी। गोपालन ने कहा कि नई मतदाता सूची अगले साल 7 जनवरी को प्रकाशित की जाएगी। मामले पर बातचीत करते हुए उन्होंने बताया, ÷एसआईआर अगले महीने से शुरू होगा और संशोधित सूची जनवरी में जारी की जाएगी। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार संशोधित सूची में देरी हो सकती है।÷ राज्य के शीर्ष चुनाव अधिकारी ने यह भी कहा कि राज्य भर में मतदान केंद्रों की संख्या 38,000 से बढ़ाकर 45,000 की जाएगी।

मतदाता सूची को सटीक बनाने की कोशिश : उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से छूट न जाए और कोई भी अयोग्य व्यक्ति सूची में न रहे। स्ट्रक्के जरिए घर-घर जाकर मतदाताओं की पात्रता का सत्यापन, मतदान केंद्रों का पहचान और गलतियों को दूर कर मतदाता सूची को सटीक बनाने की कोशिश की जाएगी।

गौरतलब है कि यह घोषणा तब हुई है जब बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर बवाल मचा हुआ है। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठाए हैं। विपक्षी दल इसकी वैधता को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचे थे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को एसआईआर के बाद मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों के नाम की सूची सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। आयोग ने नामों की सूची जारी कर दी है।

संपत्ति का खुलासा न करने पर हर मामले में रद्द नहीं हो सकते चुनाव परिणाम: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि संपत्ति का खुलासा न करने से हर मामले में चुनाव परिणाम रद्द नहीं हो सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि किसी विजयी उम्मीदवार ने संपत्ति से संबंधित जानकारी का खुलासा नहीं किया है, अदालतों को अत्यधिक पांडित्यपूर्ण और निंदनीय दृष्टिकोण अपनाकर चुनाव को अमान्य करने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। बेंच ने कहा कि यह पता लगाना होगा कि क्या इस तरह से छुपाना या खुलासा न करना इतना बड़ा और व्यापक था कि इससे चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकता था।

कोर्ट ने क्या कहा

बेंच ने कहा कि हमारी राय में असली परीक्षा यह होगी कि किसी भी मामले में संपत्ति के बारे में जानकारी का खुलासा न करना परिणामी या अप्रासंगिक है, जिसका निष्कर्ष चुनाव को वैध या अमान्य घोषित करने का आधार होगा, जैसा भी मामला हो। बेंच ने 14 अगस्त, 2025 के अपने फैसले में कहा, 'चुनावी प्रक्रिया में आपराधिक पृष्ठभूमि का खुलासा चुनावी प्रक्रिया की शुद्धता बनाए रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है, जिसका पूरी ईमानदारी से पालन किया जाना चाहिए।

साथ ही, संपत्ति और शैक्षिक योग्यता का खुलासा चुनावी प्रक्रिया को मज़बूत बनाने के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के रूप में माना जाता है, जिस पर विचार करने की कुछ गुंजाइश होगी कि यह महत्वपूर्ण है या महत्वहीन।'

यह है मामला

शीर्ष अदालत ने 3 दिसंबर, 2023 को हुए तेलंगाना विधानसभा चुनावों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उम्मीदवार कोवा लक्ष्मी के निर्वाचन के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार अजमेरा श्याम द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि विजयी उम्मीदवार द्वारा फॉर्म 26 हलफनामे में पिछले पांच वित्तीय वर्षों में से चार वित्तीय वर्षों के आयकर रिटर्न का खुलासा न करना कोई महत्वपूर्ण दोष नहीं था।

मुंबई में बारिश के साथ बढ़ा बीमारियों का खतरा !

जनवरी से अगस्त तक मलेरिया, चिकनगुनिया, हेपेटाइटिस के मरीजों की संख्या बढ़ी

मुंबई , एजेंसी। बारिश कई लोगों के लिए वरदान है तो कई लोगों की जिंदगियों में इससे तबाही आ जाती है। मुंबई में भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया, गोरेगांव, लोखंडवाला, अंधेरी में वीरा देसाई रोड पर मृणालताई गोरे फ्लाईओवर के नीचे के इलाकों और माटुंगा, चेंबूर, खार, दादर पूर्व और कुर्ला के कई हिस्सों में पानी भर गया। बारिश के कारण मच्छरों की संख्या बढ़ जाती है और ये मच्छर कई तरह की बीमारियों को भी जन्म देते हैं।

मुंबई में जनवरी-अगस्त 2025 के बीच मलेरिया, चिकनगुनिया और हेपेटाइटिस के मामलों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में वृद्धि दर्ज की गई है। नगर निकाय ने सोमवार को यह जानकारी दी। बृहन्मुंबई

महानगर पालिका ने 'मानसून-संबंधी बीमारियों' पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि हालांकि समीक्षाधीन अवधि के दौरान डेंगू, लेप्टोस्पायरोसिस (एक जीवाणु संक्रमण जो लेप्टोस्पाइरा नामक बैक्टीरिया के कारण होता है) और गैस्ट्रोएंटेराइटिस (पेट का फ्लू) के मामलों में गिरावट देखी गई। मुंबई में जनवरी-अगस्त (14 अगस्त तक) के दौरान मलेरिया के 4,825 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 4,021 मामलों से अधिक है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस कैलेंडर वर्ष के पहले आठ महीनों में चिकनगुनिया के 328 मामले (पिछले वर्ष 210) और हेपेटाइटिस के 703 मामले (662) दर्ज किए गए। नगर निकाय ने बताया कि शहर में 2025 के पहले आठ महीनों (14 अगस्त तक) के दौरान डेंगू के 1,564 मामले दर्ज किए गए जो पिछले साल इसी अवधि में दर्ज किए गए 1,979 मामलों से कम है। इसके अलावा, इसी अवधि में लेप्टोस्पायरोसिस के 316 मामले (पिछले साल 553) और गैस्ट्रोएंटेराइटिस के 5,510 मामले (6,133) दर्ज किए गए, जो गिरावट का संकेत है। आपकों बता दें कि देश भर में मानसून का कहर जारी है, और सबसे ज़्यादा महाराष्ट्र प्रभावित हुआ है। मुंबई में सिर्फ़ आठ घंटों में 177 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे सड़कें जलमग्न हो गईं और तालाबों में तब्दील हो गईं। यातायात की गति धीमी हो गई है, जिससे कई लोग घरों के अंदर ही रहने को मजबूर हैं।

लगातार हो रही बारिश ने हवाई और रेल सेवाओं को भी बाधित कर दिया है, कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और कम दृश्यता के कारण लोकल ट्रेनें देरी से चल रही हैं। तत्काल राहत की कोई उम्मीद न होने के कारण, आईएमडी ने मुंबई, ठाणे, पालघर और नवी मुंबई में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने शहर और उसके उपनगरों के सभी स्कूल और कॉलेज बंद करने की भी घोषणा की है।

इंसानों के दिमाग को खा जाता है यह खतरनाक जीव, 9 साल की बच्ची की हुई मौत; अलर्ट जारी

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल में इन दिनों ब्रेन ईटिंग अमीबा से संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा है। केरल की सरकार ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है। दरअसल हाल ही में इस खतरनाक जीव ने केरल के कोझिकोड में कई लोगों को अपना शिकार बनाया है। इससे संक्रमित एक 9 साल की एक बच्ची की मौत भी हो गई है। जिले में स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस से सावधानी बरतने को कहा है। जानकारी के मुताबिक बच्ची को शिकार बनाने के अलावा और भी कई मामले सामने आए हैं। दो मरीजों का कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने पुष्टि की है कि एक मरीज वेंटिलेटर पर है। स्थानीय चिकित्सा अधिकारी ने इंडिया टुडे को बताया कि लोगों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जा रही है।

क्या है अमीबा : अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस एक तरह का संक्रमण है जो अमीबा नाम के जीव के कुछ रोगाणु द्वारा फैलता है। यह जीव इंसानों के मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं। चूंकि यह जीव पानी में पाए जाते हैं इसीलिए यह बीमारी आमतौर पर उन लोगों को प्रभावित करती है जो पानी के पूल या इस तरह के अन्य स्रोतों में तैराकी करते हैं। अमीबा नाक और दिमाग से जुड़े छिद्रों या कान के पर्दे के जरिए दिमाग में प्रवेश कर सकते हैं। जानकारों के मुताबिक संक्रमण की स्थिति में मृत्यु दर बहुत अधिक है। हालांकि फिलहाल इसके मनुष्य से मनुष्य में नहीं फैलने के संकेत नहीं मिले हैं।

पृथ्वी शॉ ने ठोका तूफानी शतक, टीम इंडिया में वापसी के लिए बना डाले इतने रन

नई दिल्ली, एजेंसी। पृथ्वी शॉ को भले ही दुनिया कोसती रहती है लेकिन अब इस खिलाड़ी ने वो काम कर दिखाया है जिसके बाद अब उन्हें हर कोई सलाम कर रहा है. पृथ्वी शॉ ने बुच्ची बाबू ट्रॉफी में महाराष्ट्र की ओर से शानदार शतक ठोक दिया. शॉ महाराष्ट्र की टीम के लिए पहली बार मैच खेलने उतरे और उन्होंने डेब्यू मैच में ही कमाल कर दिखाया. शॉ ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 111 रनों की पारी खेली.

शॉ ने अपनी इस पारी में 141 गेंदें खेली और उनका स्ट्राइक रेट 78 से ज्यादा का रहा. शॉ की बल्लेबाजी के कमाल का अंदाजा आप इस बात से लगाइए कि उन्होंने पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया.

महाराष्ट्र को पृथ्वी शॉ ने संभाला:पृथ्वी शॉ की ये पारी इसलिए भी कमाल है क्योंकि उन्होंने मुश्किल वक्त पर सेंचुरी ठोकी है. जब महाराष्ट्र की टीम के बल्लेबाज ताश के पत्तों की तरह बिखर रहे थे, उस वक्त शॉ ने ताबड़तोड़ बैटिंग कर विरोधी गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेला. महाराष्ट्र ने सिर्फ 86 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, टॉप ऑर्डर के पांच में से 4 बल्लेबाज 10,4, 1 और 0 का योगदान ही दे सके. ऋतुराज गायकवाड़ भी महज 4 रन बना पाए लेकिन शॉ ने ताबड़तोड़ बैटिंग कर महाराष्ट्र को गेम में बनाए रखा. शॉ जब आउट हुए तो महाराष्ट्र का स्कोर 166 रन था और इसमें उनका योगदान रहा 111 रन.मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र में हुए शामिलबता दें पृथ्वी शॉ ने हाल ही में मुंबई की घरेलू टीम का साथ छोड़ा है. खराब फिटनेस की वजह से उन्हें रणजी ट्रॉफी में ड्रॉप कर दिया गया था. इसके बाद शॉ ने बड़ा फैसला लेते हुए महाराष्ट्र की टीम का हाथ थामा और पहले ही मैच में उन्होंने अपनी क्लास दिखा दी. वैसे पृथ्वी शॉ का बड़ा लक्ष्य टीम इंडिया में वापसी करना है. वो लंबे समय से टीम से बाहर हैं. अगर वो ऐसी ही पारियां खेलते रहे तो उन्हें वापस सेलेक्ट करना चयनकर्ताओं की मजबूरी बन जाएगा.

दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए कगिसो रबाडा

नई दिल्ली, एजेंसी।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा। टीम की तेज गेंदबाजी का सबसे प्रमुख चेहरा कगिसो रबाडा इंजरी की वजह से पूरी सीरीज से बाहर हो गए। कगिसो रबाडा के दाहिने टखने में सूजन थी। सोमवार को हुए स्कैन में गंभीर चोट का पता चला। इसके बाद उन्हें वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, वह ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और दक्षिण अफ्रीकी मेडिकल स्टाफ की देखरेख में रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। कगिसो रबाडा की जगह वनडे सीरीज में बाएं हाथ के 19 साल के तेज गेंदबाज क्वेल मफाका को टीम में जगह दी गई है। मफाका का हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ संपन्न तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन रहा था। इस युवा गेंदबाज ने 9 विकेट झटके थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रबाडा के विकल्प के रूप में टीम में जगह दी गई है। हालांकि, वह पहले वनडे का हिस्सा नहीं हैं।

कार्लोस अल्काराज ने पहली बार जीतासिनसिनाटी ओपन का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन जीतने का स्पेन के कार्लोस अल्काराज का सपना पूरा हो गया है। मंगलवार को जानिक सिनर के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में उन्हें विजेता घोषित किया गया। विबलंडन फाइनल के बाद विश्व के नंबर एक जानिक सिनर और नंबर दो कार्लोस अल्काराज के बीच होने वाले सिनसिनाटी ओपन फाइनल पर दुनियाभर के टेनिस प्रेमियों की नजर थी। फैंस एक रोमांचक मुकाबले का इंतजार कर रहे थे। लेकिन फैंस को थोड़ी मायूसी हासिल हुई। वजह जानिक सिनर की अस्वस्थता रही। अल्काराज और सिनर के बीच मैच निर्धारित समय पर शुरु हुआ था। शुरुआत से ही सिनर गर्मी से परेशान दिख रहे थे। पहले सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद उन्होंने डॉक्टर को बुलाया और गर्मी से निपटने के लिए बर्फ की मदद भी ली, लेकिन मैच को जारी नहीं रख सके। 23 मिनट के बाद वह रिटायर होने पर मजबूर हो गए। इसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया। यह उनका पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब था और साल का कुल छठा खिताब था।

सिनर की परेशानी का पता तब चला जब सर्विस में वह एक भी पॉइंट नहीं जीत पाए। सर्विस सिनर का मजबूत पक्ष माना जाता है। लगातार पांचवां गेम हारने के बाद सिनर ने डॉक्टर को बुलाया और जल्द ही कार्लोस अल्काराज से हाथ मिलाकर मैच समाप्ति की घोषणा कर दी। सिनर अगर फाइनल जीत जाते तो वह रोजर फेडरर (2014-15) के बाद लगातार टाइटल जीतने वाले पहले खिलाड़ी होते। मैच के बाद सिनर ने कहा, मैं आपको निराश करने के लिए माफी मांगता हूं। मैं कल से अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मुझे लगा कि मैं रात तक बेहतर हो जाउंगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। मैंने लड़ने की कोशिश की। लेकिन, खेल नहीं पाया। इसलिए मैं माफी मांगता हूं। विजेता घोषित किए जाने के बाद कार्लोस अल्काराज ने जानिक सिनर के लिए कहा, मैं जानता हूं कि आप इन परिस्थितियों से और बेहतर कमबैक करेंगे, उससे भी बेहतर जैसा आप हमेशा करते हो।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान, बाबर और रिजवान का हुआ डिमोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम और मौजूदा वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान को लगातार बड़े झटके दे रहा है। एशिया कप 2025 के स्क्वॉड से बाहर होने के बाद पीसीबी के नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में भी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को नुकसान उठाना पड़ा है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के सर्वाधिक लोकप्रिय खिलाड़ियों में हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वह लंबे समय से टॉप कैटेगरी में शामिल रहे हैं। पिछली बार भी वह ग्रेड ए का हिस्सा थे, लेकिन 2025-2026 के लिए जारी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बाबर आजम और रिजवान को डिमोट कर दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड बी में जगह दी गई है।

नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में कुल 30 खिलाड़ियों को जगह दी गई है, लेकिन ग्रेड ए कैटेगरी में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पांच खिलाड़ियों को प्रमोट किया है। पिछली बार सी ग्रेड का हिस्सा रहे अबरार अहमद, हारिस रऊफ, सलमान अली आगा, सैम अयूब और शादाब खान को ग्रेड बी में शामिल किया गया है।

बोर्ड ने 12 नए खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया है। ये खिलाड़ी हैं- अहमद दानियाल, फहीम अशरफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सलमान मिर्जा और सुफयान मोकिम। सभी पहली बार कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बने हैं।

पाकिस्तान सेंट्रल कांट्रैक्ट (2025-26) में शामिल खिलाड़ी: ग्रेड बी (10 खिलाड़ी)अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब, सलमान अली आगा, शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदीग्रेड सी (10 खिलाड़ी)

अब्दुल्लाह शफीक, फहीम अशरफ, हसन नवाज, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नोमान अली, साहिबजादा फरहान, साजिद खान और सऊद शकील

ग्रेड डी (10 खिलाड़ी)

अहमद दानियाल, हुसैन तलत, खुर्रम शहजाद, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद वसीम जूनियर, सलमान मिर्जा, शान मसूद और सुफियान मुकीम

पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन लंबे समय से निराशाजनक रहा है। हाल ही में टीम को वेस्टइंडीज ने वनडे सीरीज में 1-2 से हराया है। पाकिस्तान को एशिया कप 2025 से पहले यूएई और अफगानिस्तान के साथ त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेलनी है।

एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान

शुभमन गिल उप कप्तान, जायसवाल और अय्यर बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई ने एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है, जबकि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है, जो टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देंगे। इस बीच चयनकर्ताओं ने कुछ अहम फैसले लेते हुए यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर कर दिया है। टॉप ऑर्डर में संजू, अभिषेक और तिलक हैं तो मिडिल ऑर्डर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों को जगह मिलती दिखी है. गेंदबाजी के मोर्चे पर जहां बुमराह और अर्शदीप पेस अटैक का भार उठाते दिखेंगे. वहीं स्पिन को मजबूती देने के लिए एशिया कप की टीम में वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को जोड़ा गया है.

एशिया कप के लिए टीम इंडिया : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह.

डेब्यू वनडे में पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर डेवाल्ड ब्रेविस ने बनाया दमदार रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बेबी एबी के नाम से लोकप्रिय दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में एक अनोखी उपलब्धि अपने नाम की है। ब्रेविस इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। डेवाल्ड ब्रेविस ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने वनडे करियर की शुरुआत की। ब्रेविस को बल्लेबाजी के लिए छठे नंबर पर भेजा गया था। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर ब्रेविस ने तूफानी शुरुआत की और अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। गेंदबाज थे ट्रेविस हेड।

वनडे में डेब्यू करते हुए अपनी पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले ड्वेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बने। जोहान लॉ ने 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाया था। उन्होंने शाकिब अल हसन पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस ने अपने करियर का आगाज तो बेहद शानदार और यादगार अंदाज में किया, लेकिन वे अपनी पारी आगे नहीं बढ़ा सके। ब्रेविस अगली ही गेंद पर आउट हो गए। भारत के लिए ईशान किशन ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू करते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट और टी20 में भी डेब्यू कर चुके हैं। ब्रेविस ने 2 टेस्ट मैचों की 3 पारी में 84 रन बनाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 51 रहा है। वहीं, 10 टी20 मैचों में 1 शतक और 1 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 318 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न टी20 सीरीज में ब्रेविस ने विस्फोटक शतक लगाया था। उन्होंने 56 गेंद पर 8 छक्के और 12 चौके लगाते हुए नाबाद 125 रन की पारी खेली थी। इसके अगले मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाया था। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें वनडे सीरीज में जगह दी गई।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप से हटा

ओमान ने भी नाम वापस लिया, बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका; 29 अगस्त से टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट से अधिकृत रूप से हट गया है। इतना ही नहीं, ओमान ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका दिया गया था। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने बताया- मंगलवार सुबह पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत आने से अधिकृत तौर पर इनकार कर दिया है। ओमान की टीम भी हट गई है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को ड्रॉ में शामिल कर दिया। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट से हटने की बातें कही जा रही थीं। एक महीने पहले पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (क्वास्त्र) ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। हालांकि, भारत सरकार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा दिया था।

हॉकी एशिया कप का नया ड्रॉ:एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट एशिया कप से हटने के साथ ही पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने का एक मौका गंवा दिया है। दरअसल, एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट मिलता है। हॉकी का अगला वर्ल्ड कप 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। एशिया कप जीतने वाली टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेगी। जोकि 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। एशिया कप जीतने वाली टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेगी। जोकि 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। एशिया कप का गौरवशाली इतिहास एशिया कप हॉकी की शुरुआत 1982 में पाकिस्तान के कराची में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह टूर्नामेंट एशियाई हॉकी का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन बना हुआ है। इसके इतिहास में सबसे सफल टीम दक्षिण कोरिया रही है, जिसने पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है।

सिंकफील्ड कप:

सिंकफील्ड कप में प्रज्ञानंद ने गुकेश को हराया, जीत के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर लाइव विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। प्रज्ञानंद अब अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने सोमवार को पहले राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव ने भी हमवतन अलीरेजा फिरौजा के साथ ड्रॉ खेला। इस 350,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अभी आठ राउंड होने बाकी हैं।

कपिल बैंसला ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के पलवल के कपिल बैंसला ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाया और उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 0.6 अंक से पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर रहे।

कपिल के हमवतन जोनाथन गेविन एंटनी ने 220.7 अंक बनाकर कांस्य पदक जीता, लेकिन 24 शॉट के फाइनल में 22वें शॉट के बाद बाहर हो गए। इससे पहले कपिल ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक बनाकर चौथा स्थान हासिल किया था और जोनाथन के साथ शीर्ष आठ में जगह बनाई थी। जोनाथन 582 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। मुकेश नेलावली जोनाथन से केवल दो इनर 10 अंक कम थे और तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह फाइनल में तीन भारतीय खिलाड़ी पहुंच गए। कोरियाई खिलाड़ी किम डूयोन ने भी 582 अंक हासिल करके शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन जोनाथन की तुलना में आंतरिक 10-रिंग में कम से कम छह शॉट ज्यादा लगाए। इल्खोमबेक फाइनल में सबसे तेज रहे, कपिल लगातार उनका पीछा करते रहे और फिर 15वें शॉट के बाद पहली बार उनसे आगे निकल गए। उज्बेक खिलाड़ी ने 20वें शॉट के बाद बढ़त हासिल कर ली और अंतिम दो में कपिल से पूरे एक अंक आगे थे।

इसके बाद युवा भारतीय खिलाड़ी ने 10.8 और 10.6 अंक हासिल किए जबकि इल्खोमबेक ने 10.4 अंक हासिल करने के बाद 23वें शॉट में 9.4 अंक हासिल किए और कपिल को खिताब दिला दिया। कपिल और जोनाथन ने विजय तोमर के साथ मिलकर कुल 1723 अंक हासिल करके इस स्पर्धा का टीम रजत पदक जीता। कोरिया ने 1734 अंक के साथ स्वर्ण और मेज़बान कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता।

सीनियर पुरुष वर्ग के फाइनल में एकमात्र भारतीय अनमोल जैन 155.1 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे। चीन के हू काई ने स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन ने इस स्पर्धा में टीम स्पर्धा का स्वर्ण भी जीता। अनमोल ने आदित्य मालरा और सौरभ चौधरी के साथ मिलकर 1735 अंकों के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता। इस प्रकार भारत ने पहले दिन का अंत एक स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ किया, जबकि दूसरे दिन मंगलवार को महिला और जूनियर महिला एयर पिस्टल के फ़ाइनल निर्धारित समय पर खेले जाने थे।

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय वैज्ञानिक दलो के सदस्यों ने जायजा लिया

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में असामयिक हुई वर्षा उपरांत रासायनिक दवाईयों के प्रयोग से क्षतिग्रस्त हुई खरीफ फसलों की शिकायते केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान के संज्ञान में आने पर उन्होंने गत दिवस क्षेत्र के भ्रमण के दौरान खेतो में पहुंचकर क्षतिग्रस्त फसलों का जायजा लिया और पीडित किसानो का ढांढस बंधाते हुए कहा कि फसलो की तबाही होने पर नकली दवा कंपनियों पर सख्त कार्यवाही होगी और उन्होंने केन्द्रीय वैज्ञानिक दलो को खेतो में भेजकर क्षतिग्रस्त होने के कारणो का आंकलन कराने से आश्वस्त कराया था। केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान के निर्देशो के अनुपालन में सोमवार को केन्द्रीय व राज्य स्तरीय कृषि वैज्ञानिक सात सदस्यीय दलो ने छीरखेडा एवं सेमरा में भ्रमण कर पीडित कृषकों के खेतो में पहुंचकर फसलो की क्षति का आंकलन किया है। विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने वैज्ञानिको से कहा कि वे हरेक पीड़ित कृषक के खेत में जरूर पहुंचे और बाजिव वस्तु स्थिति अपनी रिपोर्ट में उल्लेख करें। विधायक श्री टण्डन ने ग्राम छीरखेडा में पीड़ित कृषक श्री भगवान सिंह और श्री उधम सिंह के खेत में कृषि वैज्ञानिको को साथ में लेजाकर सोयाबीन की फसल में हुई क्षति का जायजा लिया है और रासायनिक दवाईयो के प्रभाव से फसल में हुई क्षति तथा असरविहिन दवाओं के विक्रय से पीडित किसानो को राहत दिलाए जाने के तमाम प्रबंध सुनिश्चित कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। वैज्ञानिक दलो में अटारी आईसीएआर जोन 9 जबलपुर के डायरेक्टर डॉ एसआरके सिंह, डीडब्ल्यूआर जबलपुर के डायरेक्टर डॉ जेएस मिश्रा, रायसेन के कृषि वैज्ञानिक डॉ स्वप्निल दुबे, इन्दौर के कृषि वैज्ञानिक डॉ अरूण शुक्ला तथा एनआईएसआर इन्दौर के डॉ संजीव कुमार, आईआईएसएस भोपाल के डॉ प्रभात त्रिपाठी एवं आईआईएसएस भोपाल के सीनियर साइंटिस्ट डॉ बीपी मीना दल में शामिल है। कृषि वैज्ञानिक दलो के साथ किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपडिया समेत विभागीय अन्य अधिकारी तथा खण्ड स्तरीय अधिकारी साथ-साथ मौजूद रहें वहीं पीड़ित कृषकबंधु ने अपनी समस्याओं को सांझा किया है।

अनुसूचित जाति वर्ग के अभ्यर्थियों को सिविल सेवाओं में चयन के लिए प्रोत्साहन हेतु संचालित है सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना

सीहोर (निप्र)। सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के अभ्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षाओं में चयन के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। जिले के अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा राज्य सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रारंभिक परीक्षा 2025 में 05 सफल अभ्यार्थियों को एक लाख रूपये की राशि का भुगतान एवं संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रारंभिक परीक्षा 2025 में सफल हुए 01 अभ्यर्थी को राशि 40 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया है। राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षा नीट (ह्रश्वश्वञ्ज) 2024 में महर्षि वाल्मीकि प्रोत्साहन राशि योजना के अंतर्गत मेडिकल कालेज में प्रवेश लेने वाले 09 विद्यार्थियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में 04 लाख 50 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर लाभान्वित किया गया हैं।

तीर्थ दर्शन योजना में तीर्थ यात्री श्री बालाराम और उनकी पत्नी ने पहली बार रामलला और भगवान विश्वनाथ के दर्शन किए

विदिशा (निप्र)। रुसल्ही गांव निवासी तीर्थ यात्री श्री बालाराम और उनकी पत्नी श्रीमती गुमनी बाई धाकड़ बताया कि हमारी धार्मिक यात्रा पहली थी रामलला और भगवान विश्वनाथ के दर्शन पहली बार किये हैं यह हमारा सौभाग्य है, भगवान ने हमारी इच्छा पूरी कर दी है और यह सब मध्य प्रदेश शासन की तीर्थ दर्शन योजना से संभव हो पाया है। गौरतला हो कि आज काशी अयोध्या (वाराणसी) की तीर्थ यात्रा कर विदिशा जिले के तीर्थयात्री वापस विदिशा लौटे हैं। स्पेशल ट्रेन से यात्री तीर्थ दर्शनों के लिए गए हुए थे संपूर्ण सुविधा तीर दर्शन योजना अंतर्गत तीर्थ यात्रियों को महिया कराई गई थी जिनकी प्रशंसा तीर्थ यात्रियों ने की है। तीर्थ यात्रियों को लाने ले जाने से लेकर रहना और खाना-पीना इत्यादि व्यवस्थाओऔ की पूर्ती सुनिश्चित कराई गई थी।

साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित

सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का कारगर हथियार है : कलेक्टर बालागुरू के.

साइबर विशेषज्ञों ने सरकारी कामकाज में इंटरनेट, सोशल मीडिया के उपयोग और सरकारी एवं निजी डाटा के उपयोग के बारे में जानकारी दी

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में सायबर सुरक्षा को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की मध्यप्रदेश कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (एमपीसर्ट) के विशेषज्ञों द्वारा साइबर खतरों, सुरक्षा और सरकारी विभागों के डाटा और अपने निजी डाटा को सुरक्षित करने के बारे में विस्तार ने जानकारी दी। कार्यशाला में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि वर्तमान समय में सरकारी कामकाज में इंटरनेट और डिजिटल तकनीक अब हमारी जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शिक्षा और सोशल मीडिया, ये सब अब दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन डिजिटल सुविधाओं के साथ साइबर खतरे भी तेजी से बढ़े हैं। हमें जो डिजिटल सुविधा मिलती हैं, वह कभी-कभी चुनौती बन जाती हैं। सायबर अटैक, डिजिटल फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट जैसी कई घटनाएं सामाजिक और आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसी स्थिति में प्रत्येक ऑनलाइन उपयोगकर्ता के लिए जरूरी है कि वह बहुत ही सावधानी और सतर्कता के साथ इन माध्यमों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि सावधानी में ही सुरक्षा है। इसके साथ ही समय समय पर शासन की अधिकृत संस्थाओं द्वारा जारी की जाने वाली एडवाइजरी का पालन करें। कार्यशाला में बताया गया कि सायबर सुरक्षा कंप्यूटर, नेटवर्क, प्रोग्राम और डेटा को डिजिटल हमलों, चोरी, क्षति या अनाधिकृत पहुंच से बचाने के लिए विभिन्न उपाय, तकनीकियॉ और रणनीतियां शामिल हैं, जिनका उपयोग संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा, डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मध्यप्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम MP-CERT का गठन 14 दिसम्बर 2022 को किया गया है। यह टीम राज्य स्तर पर साइबर सुरक्षा के मुद्दों पर त्वरित प्रतिक्रिया देने और रोकथाम के उपायों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। टीम साइबर हमलों के प्रति जागरूकता का प्रसार करने के साथ ही नागरिकों, सरकारी एजेंसियों और अन्य संस्थाओं को सुरक्षा संबंधी सलाह प्रदान करती है। कार्यशाला में एमपी-सर्ट के प्रमुख सलाहकार श्री अंबर पांडे, विधिक सलाहकार श्री योगेश पंडित, श्री मुकुंद सिंह सोलंकी, कुमारी प्रियंका गोस्वामी ने पीपीटी के माध्यम से तकनीकी जानकारी दी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, एसडीएम श्री नितिन टाले, श्री तन्मय वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती स्वाति मिश्रा, श्री सुधीर कुशवाह सहित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण की मुख्य रूपरेखा

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। इसमें MP-CERT की कार्यप्रणाली और सेवाओं का परिचय, आम नागरिकों के लिए साइबर सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता, कार्यालयीन कार्यस्थलों पर साइबर सुरक्षा अपनाने की अनिवार्यता, ज़िला प्रशासन की भूमिका और उनसे अपेक्षित सहयोग जैसे विषय शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही साइबर हमलों से निपटने की व्यावहारिक रणनीतियों, डिजिटल फ्रॉड, फिशिंग, रैंसमवेयर जैसे साइबर खतरों तथा डेटा सुरक्षा से संबंधित तकनीकी जानकारी भी साझा की गयी है।

साइबर फॉड से कैसे बचें

साइबर फ्रॉड से बचने के लिए अनजान स्रोत से आई कोई भी अटैचमेंट कभी न खोलें, मोबाइल में कोई भी APK फाइल तभी इंस्टॉल करें जब वो विश्वसनीय स्रोत से हो, अपने डिवाइस में एंटीवायरस रखें और ऐप्स को आवश्यक अनुमतियाँ ही दें। शंका हो तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। सोशल इंजीनियरिंग एक ऐसा साइबर अपराध है जिसमें हैकर तकनीक की बजाय मानव भावनाओं और विश्वास का दुरुपयोग करता है। इसमें अपराधी खुद को पुलिस, बैंक कर्मचारी या सरकारी अधिकारी बताकर कॉल, मैसेज या ईमेल के माध्यम से लोगों से पासवर्ड, ओटीपी या बैंक डिटेल्स जैसी संवेदनशील जानकारी हासिल करते है।

अनजान कॉल या मैसेज पर भरोसा न करें, ओटीपी पासवर्ड, और पिन कभी साझा न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, वीडियो कॉल या डॉक्युमेंट पर विश्वास न करें, बैंकिंग या सरकारी जानकारी सीधे ऐप या वेबसाइट से चेक करें, डिजिटल साक्षरता बढ़ाएं और 2 फैक्टर ऑथेंटिकेशन 2FA ऑन रखें। मजबूत एक्सेस कंट्रोल लागू करें, सभी उपकरणों पर एंटीवायरस और एंटी-मैलवेयर सॉफ़्टवेयर अपडेट करें। सॉफ़्टवेयर और सिस्टम को अपडेट रखें, फायरवॉल और घुसपैठ पहचान/रोकथाम प्रणाली स्थापित करें। अपने लॉगिन के लिए मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें। ईमेल संचार और संवेदनशील डेटा को एन्क्रिप्ट करें। सुरक्षित फ़ाइल-शेयरिंग प्रोटोकॉल लागू करें। कार्यस्थल पर व्यक्तिगत उपकरणों के उपयोग को सीमित करें। सभी कर्मचारियों के लिए क्लीन डेस्क और क्लियर स्क्रीन पॉलिसी को बढ़ावा दें।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता और युवाओं के जज्बे को देखकर खुश हुए कलेक्टर

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता प्रातः शहर भ्रमण पर निकले, स्वच्छता कार्यों का लिया जायजा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज रविवार की प्रातः विदिशा नगर में भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सबसे पहले उन्होंने विदिशा के बस स्टैंड क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा किए जा रहे स्वच्छता कार्यों को देखा।

इस दौरान उन्हें शहर के युवा श्री आयुष कटारे और उनके साथियों द्वारा शहर को साफ स्वच्छ रखने की इस मुहिम में शामिल होकर सफाई के लिए किये जा रहे कार्यों को देखा तो उन्होंने युवाओं द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में किया जा रहा है कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनकी हौसला अफजाई किया। कलेक्टर श्री गुप्ता युवाओं का जज्बा देखकर खुश हुए और कहा कि यह

देखकर संतोष होता है कि हमारे शहर के युवा जागरूक होकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि शहर के युवा स्वप्रेरणा से शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में हर रविवार सफाई अभियान चलाते हैं और लोगों को भी सफाई के लिए प्रोत्साहित करते हैं। सबको अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए जिससे हमारा अपना शहर साफ-स्वच्छ होगा। निरीक्षण के दौरान सब्जी मंडी क्षेत्र में कचरे के ढेर और गंदगी फैली हुई मिली।

सफाई कर्मचारी और जिम्मेदार अमला मौके पर मौजूद नहीं था। वहीं दुकानदारों ने भी सफाई नही होने की शिकायत की तो कलेक्टर ने सफाई व्यवस्थाओं पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि नगर पालिका के कर्मचारी हर वार्ड में तैनात रहते हैं, लेकिन मौके पर अनुपस्थित रहना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर त्वरित कार्यवाही की जाए।

सीहोर सर्किल से निकाले गये पुराने मीटरों में विद्युत चोरी के 256 मामले पकड़े

सीहोर (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख 35 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिये गये हैं। स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान कंपनी द्वारा पुराने मीटरों को बदला जा रहा है और उपभोक्ता परिसरों में नये स्मार्ट मीटर स्थापित किये जा रहे हैं। सीहोर सर्किल में स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान उपभोक्ता परिसरों से निकाले गये पुराने मीटरों की एनएबीएल लैब में चेकिंग के दौरान चौकाने वाले तथ्य सामने आये हैं। उपभोक्ताओं के परिसर से निकाले गये ऐसे पुराने मीटरों में तकनीकी खराबी कर रेजिस्टेंस या अन्य छेड़छाड़ की गड़बड़ी के 256 मामले पकड़े गये हैं। इन गड़बड़ी वाले आरोपी उपभोक्ताओं पर कंपनी द्वारा 39 लाख से 02 हजार की बिलिंग की गई है जिसमें से 145 मामलों में उपभोक्ताओं द्वारा मीटर में गड़बड़ी की बात स्वीकार कर 11 लाख 37 हजार की राशि कंपनी के खाते में जमा कराई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामले यह रेखांकित करते हैं कि स्मार्ट मीटर प्रभावी है और उसके द्वारा दर्ज खपत भी सटीक है। कंपनी ने यह भी कहा है कि स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य तेजी से जारी है और इस दौरान उपभोक्ता परिसरों के मीटरों की जॉच और चेकिंग लगातार जारी रहेगी। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख 35 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिये गये हैं। कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के परिसर से निकाले गये ऐसे 2 हजार 430 मीटरों में तकनीकी खराबी कर रेजिस्टेंस या अन्य छेड़छाड़ की गड़बड़ी पकड़ी गई है। ये गड़बड़ी कंपनी की एनएबीएल मान्यता प्राप्त मीटर टेस्टिंग लैब में पकड़ी गई है।

दस्तक अभियान एवं स्टॉप डायरिया कैंपेन 16 सितंबर तक

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा 16 सितंबर 2025 तक दस्तक अभियान का प्रथम चरण एवं स्टॉप डायरिया कैंपेन चलाया जायेगा। इसके तहत गंभीर कुपोषित एवं उच्च जोखिम वाले नवजात शिशुओं का चिन्हांकन किया जाएगा अभियान के तहत एनीमिया, निमोनिया, डायरिया की जांच एवं पहचान की जाएगी औ और विटामिन ए का अनुपूरण किया जाएगा। चिन्हांकन के पश्चात आवश्यकतानुसार बच्चों को रेफर भी किया जाएगा। अभियान के तहत आमजन को जागरूक किया जाएगा और समुचित शिशु एवं बाल आहार पूर्ति के संबंध में जानकारी दी जाएगी। इस अभियान का प्रथम चरण गृह भेंट आधारित नहीं होगा यह सेवाएं आंगनबाडी केन्द्र पर संचालित की जाएगी एवं मॉप-अप दिवस में छूटे हुये बच्चों को गृह भेंट कर सेवाएँ दी जायेंगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि अभियान के तहत अपने पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों को नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर लेकर जांए और अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करें।

प्रदेश के स्कूलों में ही बनेंगे विद्यार्थियों के आधार कार्ड

आधार कार्ड के लिए चलेगा विशेष अभियान

सीहोर (निप्र)। प्रदेश में स्कूल के बच्चों के आधार कार्ड तैयार करने के लिये स्कूल में ही विशेष अभियान 18 अगस्त 2025 से चलाया जायेगा। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के साथ समन्वय किया है। सरकारी स्कूलों में छात्रों की सुविधा के लिए आधार नामांकन और अपडेट शिविर लगाये जायेंगे। इस अभियान का नाम होगा विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार'। यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पर केंद्रित है। इसमें उनके आधार में उंगलियों के निशान, आईरिस स्कैन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है जब बच्चा 5 वर्ष का हो जाए। पहला एमबीयू 5 से 7 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क रखा गया है। विद्यार्थी के उम्र 7 वर्ष की आयु से अधिक होने के बाद शुल्क लागू होगा। दूसरा एमबीयू तब आवश्यक है जब विद्यार्थी 15 वर्ष का हो जाएगा। तीसरा एमबीयू 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क है, लेकिन 17 वर्ष की आयु के बाद शुल्क लागू होगा।

उल्लेखनीय है कि, अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड, स्कूल प्रवेश, प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजनाओं जैसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए सरकार समयबद्ध तरीके से विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत आपार आईडी बनाने का भी लक्ष्य रख रही है। आपार आईडी विद्यार्थियों को उनके सभी शैक्षणिक क्रेडिट, जैसे स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेड शीट, डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहीत, प्रबंधित और एक्सेस करने में मदद करती है। यह आईडी शिक्षा जगत में छात्र के लिए एक स्थायी डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। आपार आईडी के लिए एक महत्वपूर्ण बात यह है कि स्कूलों द्वारा आपार आईडी बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले ष्ठढ्ढस्श्व+ पोर्टल में दर्ज छात्र का नाम, आधार कार्ड में दर्ज नाम से मेल खाना चाहिए। इस संबंध में संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि, ÷विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार अभियान के तहत सरकारी स्कूलों में आधार शिविर, न केवल छात्रों को अपना अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट करवाने में सुविधा प्रदान करेंगे, बल्कि यदि आवश्यक हो तो आधार में नाम सुधार आपार आईडी बनाने के लिए और मोबाइल नंबर अपडेट के लिए भी उन्हें सुविधा प्रदान करेंगे।

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने बताया कि, 18 अगस्त से प्रारंभ होने वाला अभियान का पहला चरण, मध्यप्रदेश के 40 जिलों में एक साथ शुरू होगा और एक से दो महीने तक चलेगा। आधार शिविरों की प्रभावशीलता को अधिकतम करने के लिए (यूआईडीएआई) ने जिलों में उन पिन कोडों की पहचान की है जहाँ सबसे ज़्यादा एमबीयू लंबित हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग ने मुख्य रूप से इन पिन कोडों के अंतर्गत आने वाले सरकारी स्कूलों को शिविरों के लिए चुना है। शेष 15 जिलों में दूसरा चरण सितंबर 2025 के पहले सप्ताह में शुरू होगा। स्थानीय जिला प्रशासन को अपने-अपने जिलों में आधार शिविर योजना का व्यापक प्रचार करने के लिए कहा गया है। अभिभावकों में प्रचार-प्रसार होने से विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार अभियान को सफलता मिलेगी और अधिक से अधिक छात्र लाभान्वित हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर कलेक्टर के निर्देशन में महलपुर पाठा में भव्य श्रीकृष्ण मंदिर के निर्माण हेतु कार्यवाही प्रारंभ

महलपुर पाठा पहुंचकर अधिकारियों ने तैयार किया प्रथम स्तरीय प्राक्कलन

रायसेन (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा जिले के ग्राम महलपुर पाठा में गत दिवस आयोजित कार्यक्रम में महलपुर पाठा में स्थित भगवान श्रीकृष्ण के प्राचीन मंदिर को भव्य स्वरूप देने मंदिर निर्माण संबंधी की गई घोषणा को अमलीजामा पहनाने जिला प्रशासन ने तत्परता से कार्य शुरू कर दिया है। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार घोषणा के अगले ही दिन रविवार को लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री (भवन) और प्रशासनिक अधिकारी महलपुर पाठा पहुंचे और प्राचीन मंदिर को भव्य स्वरूप देने प्रथम स्तरीय प्राक्कलन तैयार किया गया।

अधिकारियों द्वारा प्राचीन मंदिर तथा आसपास के स्थलों का भ्रमण किया गया और मंदिर के पुजारी जी और ग्राम के वरिष्ठजनों से भी भगवान श्रीकृष्ण के भव्य मंदिर निर्माण की रूपरेखा के संबंध में चर्चा की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जन्माष्टमी पर रायसेन जिले के ग्राम महलपुर पाठा में आयोजित 'श्रीकृष्ण पर्व'- हलधर महोत्सव एवं लीला पुरुषोत्तम का प्रकटोत्सव और लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के प्राचीन मंदिर को भव्य मंदिर बनाने की घोषणा की थी। महलपुर पाठा में स्थित 13वीं शताब्दी में निर्मित यह ऐसा मंदिर है जहां राधा-कृष्ण और देवी रुक्मणि की मूर्ति एक ही श्वेत पत्थर पर बनी हुई है। इस मंदिर पर लगा एक शिलालेख इसके संवत 1354 अर्थात वर्ष 1297 ई में निर्मित किए जाने की जानकारी देता है। मंदिर के पास ही प्राचीन किला भी है, जहां परमार वंश के राजाओं का शासन रहा।

मकर संक्रांति पर यहां बड़ा मेला भी लगता है

राधा-कृष्ण मंदिर भी उसी काल का है। साथ ही मकर संक्रांति पर यहां बड़ा मेला भी लगता है। यहां विष्णु यज्ञ भी होता है। मंदिर के पास स्थित किले में 51 बावड़ियां हैं। पास के जंगल से जैन परंपरा के भगवान आदिनाथ की मूर्ति मिली थी जो अब देवनगर में स्थापित है। मंदिर के पास में शिवलिंग, नंदी, गणेश और नाग देवता सहित नटराज की मूर्तियां हैं।

प्रभारी मंत्री समस्याओं से अवगत हुए

विदिशा (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने सोमवार को विदिशा जिले के संक्षिप्त प्रवास के दौरान स्थानीय विधायक श्री मुकेश टण्डन समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने सौजन्य भेंटकर जिले की प्रमुख समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया। प्रभारी मंत्री श्री पटेल को जिले में खरीफ फसलो के उपयोग में लाई गई रासायनिक दवाओं से हुई क्षति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। नकली कीटनाशक दवा कंपनी पर कार्यवाही करने हेतु केन्द्रीय मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशो से विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने अवगत कराते हुए केन्द्रीय मंत्री के प्रवास दौरान पीडित किसानो से हुए संवाद की जानकारियां सांझा की है। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने आश्वस्त कराया कि राज्य सरकार किसानो के साथ सदैव है पीड़ित किसानो को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। नियमानुसार कृषि वैज्ञानिकों का दल आज भ्रमण कर अपनी रिपोर्ट देगा तदा नियमानुसार राहत राशि सहित अन्य कार्यवाहियां संपादित की जाएगी। निजी गार्डन में इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया समेत विभिन्न विभागो के अधिकारी, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048